भाद्रपद शुक्ल पक्ष-9, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 157 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल

22 नवम्बर 2023 बुधवार

आज का मौसम

29 अधिकतम

15 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

अंतिम दौर में राजस्थान पहुंचा सियासी घमासान

राजस्थान में मप्र की ब्रांडिंग ड्यूटी पर पहुंचे शिवराज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र मे सघन चुनाव प्रचार के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज भाजपा के मिशन राजस्थान के लिये चुनाव ड्यूटी पर हैं व भरतपुर,टोंक और बूंदी में सभा कर रहे हैं। इसके पहले उन्होंने जयपुर में मीडिया से बात की और मप्र की योजनाओं की ब्रांडिंग करते हुए डबल इंजन सरकार की जरूरत बताई। चौहान ने कहा कि राजस्थान विकास की दौड़ में पिछड़ गया है, जबकि डबल इंजन सरकार के चलते मप्र में विकास की गति तेज है और सामाजिक सुरक्षा व अन्य पहलुओं पर भी आगे है। शिवराज ने भरतपुर की सभा में भी लोगों को यही फलसफा समझाया। राजस्थान में 25 नवंबर को मत डाले जाएंगे तथा यहां कल शाम को चुनाव प्रचार बंद हो जाएगा। बताया जाता है कि शिवराज कल भी राजस्थान का दौर करेंगे।

उधर गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा भी आज भोपाल से हैदराबाद के लिए रवाना हो गये हैं। वह तेलंगाना में 22 नवंबर से 28 नवंबर तक चुनावी सभाएं करेंगे।तेलंगाना प्रदेश भाजपा के निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक मिश्रा चुनावी सभाएं और रैलियां करेंगे। मिश्रा के अलावा मध्यप्रदेश के 21 अन्य भाजपा नेता भी तेलंगाना पहुंच रहे हैं इनमें कुछ मंत्री भी हैं। कुल 22 नेताओं की टीम तेलंगाना चुनावी प्रचार के लिए लगाई गई है। तेलंगाना में आखिरी चरण में 30 नवंबर को मतदान है।

अब राजस्थान में चल झूठ की मशीनः नाथ

जयपुर में शिवराज के बयान पर मप्र कांग्रेस चीफ कमलनाथ ने कहा- अब मप्र में शिवराज को कोई नहीं सुन रहा तो वे राजस्थान में जाकर अपनी झूठ मशीन का अभियान चला रहे हैं। नाथ ने कहा शिवराज को वहां बताना चाहिए कि मप्र को उन्होंने घोटालों में नंबर वन बना दिया, महिला अत्याचार में नंबर वन बना दिया, आदिवासी अत्याचार में नंबर वन बना दिया और बेरोजगारी में नंबर वन बना दिया। वे यह भी उपलब्धियां सुनाएं कि कैसे उन्होंने डंपर घोटाला, व्यापम घोटाला, महाकाल घोटाला, पटवारी भर्ती घोटाला किया।

पनौती पॉलिटिक्स में अब दिग्विजय भी कूदे

भोपाल/नई दिल्ली, एजेंसी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राजस्थान की चुनावी रैली के दौरान वर्ल्ड कप में टीम इंडिया की हार का भी जिक्र करके जो शब्द इस्तेमाल किया वह सियासी चर्चा का विषय है। राहुल ने कहा था कि अच्छा भला हमारे लड़के वर्ल्ड कप जीत जाते, लेकिन पनौती ने हरवा दिया। राहुल गांधी ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका इशारा पीएम मोदी की तरफ माना जा रहा है। राहुल के इस बयान के बाद कांग्रेस और बीजेपी में सियासी घमासान के बीच बीजेपी आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने प्रियंका गांधी का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, इंदिरा गांधी को अब लोग पनौती बोलेंगे। इसमें अब दिग्विजय सिंह भी कूद गए हैं। दिग्विजय ने ट्वीट कर कहा, 'पनौती' का क्या अर्थ है? मैंने पता लगाया। यह एक नकारात्मक शब्द है, जब कोई काम होते-होते रह जाए तो उस इंसान को 'पनौती' कह दिया जाता है। पनौती शब्द का इस्तेमाल उस व्यक्ति के लिए किया जाता है जो अपने आस-पास के लोगों के लिए दुर्भाग्य या बुरी खबर लाता है, इसीलिए इसे नकारात्मक शब्द कहते हैं। विश्वकप प्रारंभ होते ही सोशल मीडिया पर यह शब्द ट्रेंड करने लगा था। यह किसके लिए कहा गया? स्टेडियम में हजारों लोग थे। भाजपा ने मोदीजी को 'पनौती' क्यों मान लिया? वे तो उनकी उनकी नजर में 'विश्वगुरु' हैं।

दरअसल, राहुल गांधी जनसभा में पीएम मोदी का जिक्र कर निशाना साध रहे थे। इसी दौरान जनसभा में कुछ लोग पनौती-पनौती चिल्लाने लगे। इस पर राहुल ने कहा, अच्छा भला वहां हमारे लड़के वहां वर्ल्ड कप जीत जाते, लेकिन पनौती ने हरवा दिया। टीवी वाले ये नहीं कहेंगे लेकिन जनता जानती है।इसके बाद वे पीएम मोदी का जिक्र कर निशाना साधने लगे।

इधर भाजपा **अध्यक्ष वीडी शर्मा** ने कहा है कि राहुल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए जिन शब्दों का प्रयोग किया है, उससे उन्होंने अपनी मंदबुद्धि का परिचय दिया है। कांग्रेस आज अपना अस्तित्व खो रही है तो इसका एक बड़ा कारण राहुल गांधी और उनकी शब्दावली है।

आठ मौतःदिल्ली में मिला मुन्नाभाईयों का अस्पताल

नई दिल्ली , एजेंसी।

दक्षिणी दिल्ली स्थित अग्रवाल मेडिकल सेंटर के बारे में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं, यहां कथित तौर पर फर्जी डॉक्टरों के जरिए बिना किसी वैध अनुमति के सर्जरी कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त चंदन चौधरी ने कहा है कि अस्पताल में इस्तेमाल की जा रही ऑपरेशन टेबल 'सेकेंड हैंड और पुरानी' थी। सर्जरी के दौरान या उसके बाद 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला मरीज ने इस अस्पताल में इलाज कराते हुए अपना गर्भाशय खो दिया।

फर्जी डॉक्टरों को पुलिस ने हिरासत में लिया

इस बीच, फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम ने भी सबूत जुटाने के लिए केंद्र का दौरा किया। अग्रवाल मेडिकल सेंटर मामले में तीन आरोपियों की पुलिस हिरासत पांच दिन के लिए बढ़ा दी गई है। अवैध सर्जरी के 'पर्याप्त सबूत' मिलने पर डॉ. नीरज अग्रवाल, उनकी पत्नी पूजा अग्रवाल (पूर्व में सहायिका), महेंद्र (पूर्व लैब तकनीशियन) और डॉ. जसप्रीत सिंह (एमबीबीएस, एमएस) को गिरफ्तार किया था।

मंत्री पर महिला ने 50 लाख की अड़ी डाली, रिपोर्ट दर्ज

पटना, एजेंसी।

बिहार सरकार के पूर्व मंत्री वृषिण पटेल से 50 लाख रुपये की डिमांड की गई है यह रुपये ब्लैकमेलर ने मांगे हैं। धमकी यह है कि यदि रुपये नहीं दोगे तो अश्लील फोटो को सार्वजनिक कर दिया जाएगा। एक महिला ने वृषिण पटेल के व्हाट्सएप पर एडिट की गई अश्लील तस्वीरें भेजी है। इस पर पूर्व मंत्री ने रिपोर्ट दर्ज करवाई। पटेल ने कहा है कि करीब दो महीने पहले एक महिला मेरे आवास पर मिलने आई थी। स्टाफ ने कहा

अभी मंत्री व्यस्त हैं तो वह जिद करने लगी। जब स्टाफ ने उसे मुझसे मिलवा दिया तो महिला ने कहा कि मैं विधायक बनना चाहती हूं। इस पर मैंने कहा कि विधायक बनना इतना आसान नहीं तो महिला चली गई लेकिन कुछ दिन बाद मैं कार से बेली रोड जा रहा था तो अचानक आरोपी ने मुझे रोका और चाय पीने जबरन घर ले गई जहां घर में उस वक्त दो लड़कियां भी थीं इन दोनों ने मेरे सामने ही अपने कपड़े उतारने लगीं मैं डांट फटकार के बाद वहां से निकल गया।

ईडी को पता होना चाहिए शेयरधारक मालिक नहीं होताः सिब्बल

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा धन शोधन के मामले में एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) और यंग इंडियन (वाईआई) की संपत्ति कुर्क किए जाने के बाद लगातार विवाद गहराता जा रहा है। विपक्षी नेता लगातार भाजपा सरकार और जांच एजेंसियों पर हमलावर हो रहे हैं। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि ईडी को पता होना चाहिए कि कानून क्या कहता है। शेयरधारक कभी मालिक नहीं बन सकते हैं। वहीं, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के सांसद संजय राउत ने भाजपा पर निशाना साध कहा कि जो लोग वॉशिंग मशीन में आए जाएंगे, उनकी संपत्ति बच जाएगी।

अंतःकरण की आवाज पर मांगा भारत रत्न!

गोरखपुर , एजेंसी।

उप्र के गोरखपुर से एक अजब-गजब मामला सामने आया है. यहां एक व्यक्ति ने खुद के लिए भारत रत्न की मांग कर दी। उसने गोरखपुर मण्डल के आयुक्त (कमिश्नर) कार्यालय को पत्र लिखकर ये मांग की। सोशल मीडिया पर वायरल उसका मांग पत्र चर्चा का विषय बना हुआ है। इसमें कहा गया कि ध्यान-साधना के दौरान उसे भारत रत्न पाने की इच्छा प्रकट हुई थी. पत्र लिखने वाले का नाम विनोद कुमार गोंड है। विनोद के मुताबिक, वो गोरखपुर के सदर तहसील के थाना पिपराइच क्षेत्र का रहने वाला है। 30 सितंबर को संध्या वंदन से पूर्व जब ध्यान-साधना में बैठकर तपस्या कर रहा था तो अचानक अंतःकरण में भारत रत्न पाने की तीव्र आवाज आई। विनोद ने पत्र में आगे लिखा कि इसीलिए निवेदन है कि मेरी मनोकामना पूर्ण की जाए और मुझे भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। इसके लिए विनोद ने कमिश्नर और जिला मजिस्ट्रेट को पत्र लिखकर उनका ध्यान आकर्षित किया है. वहीं विनोद अब सांसद, विधायक आदि से भी गुहार लगा रहा है।

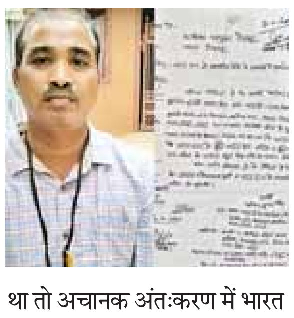

सुरंग में सुबह तक 39 मीटर ड्रिलिंग पूरी हुई अब अगले 24 घंटे महत्वपूर्ण

10 दिन से चल रहा रेस्क्यू ऑपरेशन

देहरादून , एजेंसी।

उत्तरकाशी में सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 मजदूर सूरज की रोशनी देख सकेंगे लेकिन इसके लिये अभी उन्हें 24 से 48 घंटे और 'अंधेरे' में बिताने पड़ सकते हैं। बताया जा रहा है कि ढाई दिनों के अंदर मजदूरों को सुरंग से बाहर निकाला जा सकता है। इसके लिए वर्टिकल ड्रिलिंग शुरू कर दी गई है। इसमें कामयाबी भी मिल रही है। सड़क परिवहन और राजमार्ग सचिव अनुराग जैन ने दावा किया है कि मजदूरों को बाहर निकालने के लिए सरकार 5 विकल्पों पर काम कर रही है। अगर सब कुछ सही रहा तो अगले 72 घंटों के अंदर सभी मजदूर टनल से बाहर होंगे।

उल्लेखनीय है कि यह मजदूर 12 नवंबर को दीवाली के दिन से सुरंग ढहने से फंसे हैं। तबसे रेस्क्यू आपरेशन चल रहा है। रेस्क्यू ऑपरेशन में कई तरह की बाधाएं भी आई। बाद में सरकार ने अंतराष्ट्रीय टनल एक्सपर्ट अल्बर्ट डिक्स को मदद के लिए बुलाया है। जैन का कहना है कि हारिजोन्टल ड्रिलिंग में काफी समय लगता है लिहाजा वर्टिकल ड्रिलिंग सही विकल्प है।कहा जा रहा है कि जिस चट्टान के चलते दिक्कत आ रही है उसे भेदने में सफलता मिल गई है। सरकार ने कहा कि फंसे हुए मजदूरों के साथ वीडियो संचार स्थापित किया गया है और हवा और पानी के दबाव का उपयोग करके पाइपलाइन के अंदर मलबे को साफ करने का प्रयास किया जा रहा है।

'चारधाम महामार्ग परियोजना' के हिस्से के रूप में, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने उत्तराखंड में राडी पास के तहत गंगोत्री और यमुनोत्री के सिरों को जोड़ने के लिए सिल्क्यारा में 4.531 किलोमीटर लंबी दो लेन दो दिशाओं वाली सुरंग का निर्माण शुरू किया है।

नौसेना के स्वदेशी पोत को बड़ी सफलता, पहले ही वार में मिसाइल नष्ट

नई दिल्ली। नौसेना ने एक बयान में कहा, भारतीय नौसेना के नवीनतम स्वदेशी मिसाइल विध्वंसक पोत- इम्फाल (यार्ड 12706) से निर्देशित प्रहार किया गया। समुद्र में अपनी पहली ब्रह्मोस फायरिंग में इम्फाल ने सटीक निशाना साधा। नौसेना की भाषा में इसे 'बुल्स आई' स्कोर करना कहा गया। नौसेना के अनुसार, किसी जहाज के कमीशन होने / पूरी तरह सेना का हिस्सा बनने से पहले विस्तारित रेंज वाली ब्रह्मोस मिसाइल का पहली बार परीक्षण किया गया है। बयान में कहा गया कि ऐसे अभ्यास से नौसेना संदेश देना चाहती है कि किसी भी हालात में लड़ाई के लिए नौसेना तैयार है।

मेट्रो एंकर

इजराइल-हमास युद्ध में नया मोड़, दोनों तरफ से छोड़े जाएंगे बंदी

49 दिन की जंग के बाद अंततः 4 दिन युध्दविराम

तेलअवीव, एजेंसी।

इजरायल हमास युद्ध के 49 दिन बाद आखिर सीजफायर हो गया है। अब कुछ ही घंटे में गाजा में तोप-बंदूक और फाइटर जेट्स की आवाजें बंद हो जाएंगी। एक अभूतपूर्व घटनाक्रम में इजरायली कैबिनेट ने हमास के साथ जंग में सीजफायर को मंजूरी दे दी है। इसके एवज में हमास इजरायल के 50 बंधकों को छोड़ेगा। हमास के आतंकियों ने 7 अक्टूबर को इजरायल में अचानक हमला कर लगभग 240 बंधकों को किडनैप कर लिया था। अब अगले 4 दिनों में हमास इन बंधकों को रिहा करेगा। इसके एवज में इजरायल की ओर से हमला पूरी तरह से बंद रहेगा।

रिपोर्ट के अनुसार हमास जिन बंधकों को रिहा करेगा उनमें से ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। इन्हें 10 से 12 के समूह में रिहा किया जाएगा।

उनमें 30 बच्चे, 8 माएं और 12 महिलाएं शामिल हैं। इजरायल ने कहा, इजरायली सरकार सभी अपहृत लोगों को घर लाने के लिए प्रतिबद्ध है। आज रात, सरकार ने इस लक्ष्य को प्राप्त करने के पहले चरण की रूपरेखा को मंजूरी दे दी। इजराइल ने कहा है कि हमास अगर 10 और बंधकों को छोड़ता है तो सीजफायर की मियाद एक दिन और बढ़ जाएगी।

50 के 150 छूटेंगे

सूत्रों के हवाले से खबर यह भी है कि 50 बंधकों के बदले में इजरायल 150 फिलिस्तीन बंधकों को भी रिहा करेगा। हालांकि इजरायल सरकार की ओर से जारी बयान में इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है. सीजफायर की शर्तों अभी भी अस्पष्टता की स्थिति है। खबर है कि ये ऐसे फिलिस्तीनी हैं जिनमें महिलाएं और नाबालिग शामिल हैं। इनमें से ज्यादातर वेस्ट बैंक और पूर्वी जेरुशलम के रहने वाले हैं। ये लोग इजरायल की जेलों में बंद थे. इजरायल ऐसे 150 लोगों को वापस लौटने की अनुमति दे रहा है।

पुल-पुलियाओं पर लगाया लोहा हो रहा चोरी, निगम बेखबर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर के नालों की गंदगी ढंकने के लिए पुल-पुलियाओं पर लगाया गया लोहा चोरी हो रहा है। बदमाश लोहे की राडों को काटकर ले जा रहे है और निगम इस चोरी से बेखबर है। अब तक हजारों रुपये का लोहा चोरी हो गया है। लोहा चोरी से पहले इन जालियों पर हरियाली के लिए गमलों में जो पौधे लगाए थे वे कमल सहित चोरी हो गए थे। उल्लेखनीय है कि निगम ने शहर के सभी क्षेत्रों में पुल-पुलियाओं पर लोहे की जालियां लगाई है। उन पर पौधे भी लगाए थे। यह काम स्वच्छता सर्वेक्षण के पहले किया गया था। जिसका मकसद नालों की गंदगी को ढंकना और शहर को सुंदर दिखाना था। शुरू में लगाए गए पौधों की काफी खातिरदारी हुई लेकिन बाद में निगम ने इन्हें भगवान भरोसे छोड़ दिया। जिसका फायदा अब बदमाश उठा रहे हैं।

स्वच्छता सर्वेक्षण के पहले लगाई थी लोहे की जाली, काटकर ले जा रहे बदमाश

हरियाली पहले ही गायब

जालियों पर हरियाली के लिए गमलों में लगाए पौधे पहले ही चोरी हो गए हैं। यह बात निगम के अधिकारियों के संज्ञान में भी है, तब भी अनदेखा गया किया। उसके बाद से जालियां मात्र खड़ी है। तब भी निगम के जिम्मेदार अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया।

प्रचार-प्रसार का जरिया बन गईं जालियां

शहर की सुंदरता में चार चांद लगाने के मकसद से लगाई गई जालियां अब कई हिस्सों में प्रचार-प्रसार का जरिया बन गई है। असल में इन जालियों पर लोग अपने प्रतिष्ठानों के विज्ञापन वाले बैनर-पोस्टर टांग रहे हैं तब भी निगम के अधिकारी चुप है। यही नहीं, कई क्षेत्रों में तो स्वयं निगम ने ही बैनर-पोस्टर टांग रखे हैं।

नई बिल्डिंग में लगी सभी लिफ्ट की गति धीमी, दबाव बढ़ते ही कराती है इंतजार

हमीदिया की लिफ्ट आधे घंटे कराती है मरीज और परिजनों को इंतजार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हमीदिया अस्पताल में ठीक होने के लिए पहुंचने वाले मरीज और उनके परिजनों को यहां की लिफ्टें आधे-आधे घंटे तक इंतजार कराती है। तब कहीं वे डॉक्टरों के पास पहुंच रहे हैं। जब दबाव बढ़ता है तो कई बार दम घुटने जैसा अहसास होने लगता है, क्योंकि इनकी गति बहुत ही धीमी है और इसमें ग्राउंड फ्लोर से 11 माले पर जाने वाले मरीज को काफी इंतजार करना पड़ता है, क्योंकि इनमें इतने लोग होते हैं कि सभी फ्लोर पर यह रूकते ही चलती है। गति धीमी और सभी फ्लोर पर रूकते ही चलने के कारण अंतिम माले तक पहुंचने में यह समय लेती हैं। यह हाल नई बिल्डिंग में लगाई गई लिफ्टों की है, जो मरीजों की जान पर बन रही है।

इमरजेंसी केस में डॉक्टरों के लिए आरक्षित लिफ्ट का हो उपयोग

मरीजों व उनके परिजनों का कहना है कि प्रत्येक नई बिल्डिंग में डॉक्टरों व स्टाफ के लिए लिफ्ट आरक्षित है। जब इमरजेंसी हो तब मरीजों के लिए इन लिफ्टों का उपयोग किया जा सकता है। हर समय सामान्य वार्डों में इमरजेंसी केसेस नहीं आते हैं। इसके लिए हमीदिया में इमरजेसी बिल्कुल अलग है। तब प्रत्येक ब्लाकों में इस तरह इमरजेंसी के नाम पर लिफ्ट को आरक्षित रखकर आम मरीज और उनके स्वजनों की मुश्किलें बढ़ाना ठीक नहीं है।

इमरजेंसी लिफ्ट रहती है खाली, लेकिन सामान्य मरीज नहीं कर सकते उपयोग: नई बिल्डिंगों में को इमरजेंसी में उपयोग के लिए रखा गया है, जिनका बहुत ही कम उपयोग होता है। जब तक उपयोग नहीं होता, ये खाली रहती है। वहीं दूसरी ओर सामान्य लिफ्टों में अधिक दबाव होने के बावजूद इनका उपयोग नहीं किया जा रहा है। जबकि मरीज दिनेश त्यागी के साथ पहुंचे उनके परिजन उषा खरे और दिनेश का कहना है कि इन लिफ्टों को भी खोला जाना चाहिए।

हमीदिया अस्पताल में अव्यवस्थाओं से मरीज परेशान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले के 15 मामलों में संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है। इसमें दो मामले राजधानी के हमीदिया अस्पताल में एंजियोप्लास्टी नहीं होने से मरीज पेरशान और लिफ्ट के लिए मरीजों के पेरशान होने के हैं। अस्पताल में पिछ्ले 20 दिन से भर्ती हार्ट पेशेंट को एंजियोप्लास्टी नहीं मिलने से भारी परेशानी का सामना करना प? रहा है। मामले मे आयोग ने संचालक, स्वास्थ सेवाएं म.प्र. संचालनायल, भोपाल को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही गंभीर मरीजों के लिये आवश्यक सामग्री, दवाएं हमीदिया अस्पताल मे तत्काल उपलब्ध हो सके, ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित कराकर 15 दिन में जवाब मांगा है। वहीं लिफ्ट के मामले में अस्पताल अधीक्षक से पूछा है कि मरीजों की लिफ्ट कबसे लगी है? लिफ्ट कब से खराब है? लिफ्ट का वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी) कराया गया है अथवा नही? सुधार रख रखाव के लिये कौन उत्तरदायी है?

सिविल अस्पताल में मूल-भूत सुविधा के लिए मरीज परेशान: भोपाल जिले के बैरागढ़ सिविल अस्पताल में आने वाले मरीजों को मूलभूत सुविधाओं के लिये आये दिन परेशान होना पड़ रहा है। यहां बुजुर्ग और दिव्यांगों के लिये अलग से पर्चे की कोई व्यवस्था नहीं है। सबसे ज्यादा पेरशानी गर्भवती महिलाओं को होती है। जो पर्चा बनाने के लिये घंटो लाइन में ख? रहती है। मरीजों का कहना है कि अस्पताल प्रबंधन जानबूझकर काउंटर की संख्या नहीं बड़ा रहे है। मामले में आयोग ने सीएमएचओ, भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन 15 दिन में मांगा है।

इन मामलों में भी जवाब तलब

आयोग ने प्रदेश के के पारंपरिक एवं इंजीनियरिंग कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को अब तक पिछले वर्ष की छात्रवृत्ति नहीं मिलने और फीस जमा करने के लिये उधार लेने के मामले में उच्च शिक्षा आयुक्त को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही आयोग ने चुनाव ड्यूटी करने वाले कर्मियों को मानदेय नही मिलने, हबीबगंज नाके से सावरकर सेतु तक बने रोड़ के डिवाइडर के मामले, शहर के कई क्षेत्र में बड़ी-बड़ी इमारतें बिना ग्रीन नेट का उपयोग कर बनाए जाने, नादरा बस स्टैंड की खस्ता और जर्जर हालत के मामले सहित अन्य मामलों में भी संज्ञान लिया है।

गंदगी से पटी करोद मंडी

भोपाल जहां प्रदेश में स्वच्छता सर्वेक्षण में भोपाल को स्वच्छ बनाने की पहल चल रही वहीं करोद सब्जी मंडी में कचरे का ढेर लगा हुआ है।

संसदीय विद्यापीठ की प्रतियोगिता में हिंदी विवि छात्रा को पुरस्कार

भोपाल। आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान पंडित कुञ्जीलाल दुबे राष्टीय संसदीय विद्यापीठ द्वारा ÷लोकतंत्र के विकास में महिला जनप्रतिनिधि की भूमिका÷ विषय पर राज्य स्तरीय निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था । प्रतियोगिता में अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय भोपाल की राजनीति विज्ञान की छात्रा राजनंदनी दांगी ने कार्यक्रम संयोजक सौरव खरे और विभाग की प्रभारी डॉ रितु श्रीवास्तव के निर्देशन में बेहतर परफॉर्मेंस दी। कुमारी राजनंदिनी दांगी को पच्चीस सौ रुपये का नगद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्राप्त हुआ। आज विवि में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर खेम सिंह डहेरिया द्वारा कुमारी राजनंदिनी दांगी को शोधपीठ द्वारा प्रेषित प्रमाण-पत्र दिया गया। इस अवसर पर कुलसचिव शैलेंद्र कुमार जैन, छात्रा कुमारी राजनंदिनी दांगी के पिता देवेंद्र सिंह दाँगी तथा राजनीति विज्ञान की प्राध्यापक डॉ रितु श्रीवास्तव के अलावा विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक अधिकारियों कर्मचारियों मौजूद रहे।

सिंधी पंचायत का दीपावली मिलन 25 नवंबर को

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

पूज्य सिंधी पंचायत का दीपावली मिलन, साधारण सभा की बैठक व सम्मान समारोह 25 नवम्बर को होगा। नवयुवक सभा स्कूल भवन में शाम पांच बजे कार्यक्रम का आयोजन होगा।

इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व शिक्षाविद साधु टीएल वासवानी का जन्मदिन भी मनाया जाएगा। पंचायत अध्यक्ष साबू रीझवानी ने साधारण सभा के सदस्यों से पंचायत के विकास के लिए सुझाव देकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया है। पंचायत महासचिव माधू चांदवानी ने बताया कि इस अवसर पर खेलकूद प्रतियोगिता में संतनगर का नाम रोशन करने वाले वाले खिलाड़ियों व नए डॉक्टरों का सम्मान किया जाएगा।

संतरों की आवक बढ़ी

राजधानी में मौसम बदलते ही संतरों की आवक बाजारों में दिखने लगी।

आवंला वृक्ष का पूजन हुआ

भोपाल दोपहर मेट्रो। कार्तिक मास की नवमी पर मंगलवार को शहर में आंवला नवमी श्रद्धा और उमंग से मनाई गई। महिलाओं ने कार्तिक स्नान कर आंवले के तने के वृक्ष के नीचे कपूर और घी का दीपक जलाकर पूजा की। आंवला नवमी की पौराणिक कहानी सुनी। साथ ही श्रद्धानुसार 11, 21, 51 व 108 परिक्रमा कर पति और पुत्र की लंबी उम्र की कामना की। दादाजी धाम मंदिर रायसेन रोड पटेल नगर में सामूहिक रूप से आंवला नवमी मनाई गई। महिलाएं ने व्रत रखकर परिवार की सुख समृद्धि और अच्छी सेहत की कामना की। आंवले के वृक्ष पर कच्चा धागा बांधकर पूजा-अर्चना की गई। वृक्ष की परिक्रमा के बाद सभी महिलाओं ने व्रत की कथा का वाचन किया एवं घर पर बने पकवान भोग लगाया गया।

कार्तिक मास में हुआ सुखमनी का पाठ

हिरदाराम नगर। बजरंग सेना समिति द्वारा कार्तिक मास पर वासुराम दरबार झूलेलाल मंदिर रोड संतनगर में सुखमनी का पाठ किया गया और देश की खुशहाली की प्रार्थना की गयी। वासुराम दरबार के भाई साहिब ने बताया कि कार्तिक मास में जो प्रातः काल उठकर भगवान का जाप करता है उसे पूरे साल का फल मिलता है। समिति के अध्यक्ष देवानी ने बताया कि कार्तिक मास में दीप दान का बहुत बडा महत्व है।

इस अवसर पर बजरंग सेना समिति के उपाध्यक्ष महेश दरयानी का शाल व भगवा गमछे से सम्मान किया गया। कार्यक्रम में रुप कुमार सोनी, अध्यक्ष कमलेश देवानी, उपाध्यक्ष राज बिजोरिया, महेश दरयानी, प्रभू मूलचंदानी, विष्णु नाथानी, रीया दरयानी व महक अभिचंदानी उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर | स्कूल में जारी है हनुमान चालीसा की परंपरा

प्रतिभाशाली सम्मान का मोहताज नहीं : चेलानी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संस्कार विद्यालय में हर मंगलवार को प्रार्थना सभा में संगीतमय हनुमान चालीसा के पाठ किया जाता है। मंगलवार को संस्था के सचिव बसंत चेलानी, विद्यालय के पूर्व विद्यार्थी अमित भगतानी, कैलाश भगतानी ने अपने पिता मुरलीधर भगतानी के साथ चालीसा का पाठ किया। संस्कार परिवार ने भगतानी परिवार का सम्मान किया।

चेलानी ने कहा कि प्रतिभाशाली व्यक्ति सम्मान का मोहताज नहीं होता वह अपना रास्ता स्वयं बनाता है। उन्होंने कहा कि हम ऐसे विद्यार्थियों को विद्यालय में इसलिए बुलाते हैं ताकि अन्य विद्यार्थी भी इनसे प्रेरणा लेकर आगे बड़े। अमित भगतानी एवं कैलाश भगतानी ने कहा कि छात्र जीवन में विद्यालय, विद्यालय प्रबंधक, शिक्षक एवं माता-पिता की अहम भूमिका होती है। कार्यक्रम में प्राचार्य आर. के. मिश्रा, उपप्राचार्या मीनल नरयानी, प्रधानाचार्चा मृदुला गौतम, शिक्षकगण एवं विद्यार्थिगण उपस्थित थे।

वन महकमे में नया बखेड़ा, एक भवन के दो दावेदार

नया मुख्यालय बनने के बाद पुराने भवन को लेकर विवाद

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

वन विभाग के अंतर्गत कार्यरत लघु वनोपज संघ के राजधानी में 74 बंगला इलाके में स्थित पुराने कार्यालय भवन के लिये नयी जद्दोजहद का दौर शुरू हुआ है। संघ ने इस भवन का वर्तमान कलेक्टर गाइडलाइन के अनुसार मूल्यांकन कर उसकी कीमत का निर्धारण किया है। कलेक्टर गाइडलाइन के अनुसार 25 करोड़ 38 लाख 67 हजार 820 रुपये है और यह राशि उसने राज्य शासन से मांग ली है। जबकि सामाजिक वानिकी वृत्त भोपाल ने भी इस पुराने कार्यालय भवन पर अपनी दावेदारी जता दी है। उल्लेखनीय है कि संघ का कार्यालय अब तुलसी नगर स्थित नवनिर्मित वन भवन में स्थानांतरित हो गया है जबकि उसका पहले कार्यालय 74 बंगला क्षेत्र में लगता था तथा यह कार्यालय भूमि भी वन विभाग के स्वामित्व की ही है। बताया जाता है कि हाल में संघ संचालक मंडल की बैठक में यह मुद्दा उठा था। इसमें बताया गया है कि वन विभाग के द्वारा 25 साल पहले 8 मार्च 2002 को वन विभाग के स्वामित्व का 74 बंगला, भोपाल स्थित डेमो सेंटर तथा हॉस्टल बिल्डिंग संघ के कार्यालय एवं प्रशिक्षण के उपयोग हेतु प्रदान किया गया था। यह भवन सौंपने की शर्त रखी गई थी कि भवनों का स्वामित्व वन विभाग का ही रहेगा। संघ को केवल उनके उपयोग अनुमति रहेगी। भवनों में संशोधन वन विभाग की अनुमति से ही किया जावेगा। वन विभाग को यदि आवश्यकता होगी तो नोटिस देकर व प्रबंध संचालक से चर्चा कर भवन खाली कराया जा सकेगा। भवनों के रख-रखाव के साथ-साथ पूरे परिसर का विकास, पथ निर्माण, रोपण, टेरेसिंग व सौंदर्यकरण संघ द्वारा प्रति दो वर्षों में कराया जावेगा व पश्चातवर्ती रख रखाव किया जावेगा। संघ जड़ी-बूटी व औषधि पौधों का एक एबोरियम संग्रहालय विकसित करेगा। संघ वर्तमान भवन में अतिरिक्त निर्माण कराएगा ताकि हॉस्टल व लाईब्रेरी का उपयोग प्रशिक्षण के लिए हो सके।

वापस किया जाना चाहिए भवन

बैठक में बताया गया कि संघ द्वारा अब यह पुराना कार्यालय भवन खाली कर दिया गया है और अब यह कार्यालय भवन वैकल्पिक उपयोग के लिए लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग को दिया जावेगा। भवन की कीमत लघु वनोपज संघ को देने के विषय पर तत्समय शासन द्वारा वित्त विभाग की सहमति से निर्णय लिया जावेगा। इधर, वन विभाग के सामाजिक वानिकी वृत्त भोपाल ने पत्र लिखकर कहा है कि 74 बंगला भोपाल स्थित जिस भवन में लघु वनोपज संघ का कार्यालय लग रहा था, यह भवन वर्ष 2003-04 में विश्व वानिकी परियोजना के तहत आवंटित बजट से सामाजिक वानिकी वृत्त, भोपाल द्वारा सामाजिक वानिकी वृत्त कार्यालय के लिए निर्मित कराया गया था। इसलिये यह उसे वापस किया जाना चाहिये।

पुरानी पेंशन पर केंद्र और राज्य के कर्मचारी हुए एक

लामबंदी : नई पेंशन के पक्षधरों को उठाना पड़ सकता है सियासी नुकसान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ में भले ही वोटिंग हो चुकी हो लेकिन बाकी राज्यों में जारी वोटिंग और आगामी समय में होने वाले चुनावों में नई पेंशन की पक्षधर सरकारों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि पुरानी पेंशन के लिए राज्य व केंद्र के सरकारी विभागों के कर्मचारी एक हो गए हैं। ये अंदरूनी स्तर पर संगठनात्मक रूप से एक हो चुके हैं। सभी पुरानी पेंशन की बहाली चाहते हैं, इसकी खुलकर मांग कर चुके हैं। मप्र व छत्तीसगढ़ में भी कई आंदोलन हो चुके हैं लेकिन मप्र में इन्हें अनसुना कर दिया गया था। इस बात को कांग्रेस ने भुनाने की कोशिश की है।

फाइल फोटो

मप्र के साथ दिल्ली के जंतर मंतर मैदान में कई राज्यों के कर्मचारी हो चुके हैं एकजुट

अभी अन्य राज्यों में पुरानी पेंशन बहाली की आग कम नहीं पड़ी है, बल्कि बड़े स्तर पर कर्मचारी संगठन सरकारों को मजबूर करने के प्रयासों में लगे हैं। इसको लेकर मप्र ही नहीं, बल्कि दिल्ली के जंतर मंतर मैदान में कई राज्यों में काम करने वाले केंद्र व राज्य के कर्मचारी एकजुट हो चुके हैं। मप्र के कर्मचारी नेता अनिल बाजपेयी कहते हैं कि कर्मचारियों को नई पेंशन में कुछ नहीं मिलता, केवल शोषण होता है। बूढ़ापे में इलाज में जितने रुपये खर्च होते हैं, पेंशन में वह राशि भी नहीं मिल पाती है। कर्मचारी नेता अरुण वर्मा का कहना है कि पुरानी पेंशन ही बुढ़ापे का एक मात्र सहारा था, जिसे सरकार ने छीन लिया। इसके लिए सभी कर्मचारी संगठन जुटे हुए हैं, जो जिस स्तर पर प्रयास कर रहा है, वह कर रहे हैं। सरकारों को भी अपने स्तर पर विचार करना चाहिए और आखिर पूरी जिंदगी जनसेवा करने वाले अधिकारी, कर्मचारियों को पेंशन क्यों नहीं मिलना चाहिए। कर्मचारी नेता वीरेंद्र खोंगल भी पुरानी पेंशन को लेकर कई बार सरकार को पत्र लिख चुके हैं। वह कहते रहे हैं कि जिन–जिन सरकारों ने पुरानी पेंशन का विरोध किया है, उन्हें नुकसान उठाना पड़ा है। अभी तक राज्य के कर्मचारी ही अकेले इसके लिए लड़ाई लड़ रहे थे लेकिन अब केंद्रीय विभागों के 100 प्रतिशत कर्मचारियों ने मोर्चा खोल दिया है, इसकी वजह से राज्यों के कर्मचारियों द्वारा पहले से लड़ी जा रही लड़ाई को गति मिलेगी। पुराने समय से नियुक्त कर्मचारी हो या नए कर्मचारी,सभी पुरानी पेंशन के पक्षधर है लेकिन सरकारें उक्त् मांग को नजर अंदाज करती रही है।

हजारों हुए चुनाव ड्यूटी के चलते वंचित

मतदान से वंचित कर्मचारियों के लिए विशेष कैंप लगाने की मांग

प्रदेश कांग्रेस ने चुनाव आयोग से अनुरोध किया है कि मतदान से वंचित शासकीय अमले को मतदान की सुविधा दी जाए। गौरतलब है कि 3 दिसम्बर को मतगणना होना नियत है। कांग्रेस के चुनाव कार्य प्रभारी जेपी धनोपिया ने आयोग से कहा कि रीवा से प्राप्त शिकायत अनुसार 1369 पुलिस कर्मियों व अतिथि शिक्षकों को मतदान दिवस पर चुनाव ड्यूटी पर तैनात होने के कारण मतदान से वंचित किया गया। रीवा में निर्वाचन कार्य को सम्पन्न कराने के लिए शासन के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को भी संलग्न किया था । जिस क्रम में पुलिस विभाग के कर्मचारियों व शिक्षा विभाग के अतिथि शिक्षकों की भी सेवाएं ली गई थीं रीवा में कर्मचारियों को पोस्टल वोट उपलब्ध नहीं कराए गए,यह आपत्तिजनक है तथा उक्त घटनाक्रम में षडयंत्र की संभावनाएं परिलक्षित हो रही है। इसी प्रकार प्रदेश में हजारों की संख्या में शासकीय कर्मचारी विधानसभा चुनाव के मतदान से चुनाव ड्यूटी में तैनात होने के कारण उन्हें मताधिकार से वंचित कर दिया गया है। खंडवा मतदान करने के लिए विशेष कैम्प लगाकर मतदान कराने की व्यवस्था की गई है उसी तरह के पोस्टल वोट्स से मतदान कराने के विशेष कैम्प पूरे प्रदेश में लगवायें जाएं।

इग्नू: डिप्लोमा इन डेयरी टेक्नोलॉजी के लिए कर सकते है 30 तक आवेदन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार की सहायता से डेयरी प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा पाठ्यक्रम तैयार किया है। इग्नू के शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया जारी है। इस कोर्स में प्रवेश के लिए आवेदन की आखिरी तारीख 30 नवंबर है। अधिकारियों के मुताबिक डेयरी प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा कार्यक्रम प्रदान करने का मुख्य लक्ष्य डेयरी उद्योग के लिए तकनीकी स्तर के मानव संसाधन को विकसित करना है। साथ ही साथ डेयरी से संबद्ध क्षेत्रों में पहले से कार्यरत निम्न स्तर के कामगारों एवं तकनीशियनों की तकनीकी निपुणता को उन्नयन करना है।

दिसंबर अंत तक होगी रुक जाना नहीं के छात्रों की परीक्षा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (ओपन बोर्ड) की ओर से रुक जाना के दूसरे चरण की परीक्षा दिसंबर अंत तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इस योजना के तहत माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10वीं एवं 12वीं कक्षा में फेल हुए विद्यार्थियों को परीक्षा में शामिल होने का मौका दिया जाता है। ओपन बोर्ड विद्यार्थियों को पास होने के लिए दो मौके देता है। पहले चरण की परीक्षा जून में आयोजित की गई थी। ऐसे अभ्यर्थी जो उस सेशन में पास नहीं हो सके थे। वे अब दिसंबर परीक्षा में शामिल हो सकेंगे।

यूजीसी नेट 6 से, अंग्रेजी-इतिहास का होगा पहला पेपर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने 6 दिसंबर से शुरू होने वाली यूजीसी नेट परीक्षा के लिए विषय-वार कार्यक्रम जारी कर दिया है। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी। पहली पाली सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक रहेगी। पहला पेपर अंग्रेजी और इतिहास का रहेगा। कॉमर्स विषय की परीक्षा 7 दिसंबर को एक शिफ्ट में आयोजित की जाएगी और कंप्यूटर साइंस और एप्लीकेशन की परीक्षा 7 दिसंबर को शिफ्ट 2 में आयोजित की जाएगी। लोक प्रशासन और दर्शनशास्त्र की परीक्षा 8 दिसंबर को शिफ्ट 2 में आयोजित की जाएगी। पॉलिटिकल साइंस की परीक्षा 11 दिसंबर को शिफ्ट 1 में होगी और हिंदी की परीक्षा 11 दिसंबर को शिफ्ट 2 में होगी। परिणाम 10 जनवरी 2024 को घोषित किया जाएगा।

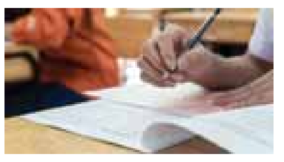

मेट्रो एंकर

6 दिसंबर से 9वीं से 12वीं कक्षा तक की अर्धवार्षिक परीक्षाएं

शिक्षकों की कमी से स्कूलों में पचास फीसदी कोर्स हो सका पूरा, विद्यार्थी चिंतित

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के स्कूलों में 6 दिसंबर से 9वीं से 12वीं कक्षा तक की अर्धवार्षिक परीक्षाएं शुरू होंगी, लेकिन अधिकांश सरकारी स्कूलों में चुनाव ड्यूटी और शिक्षकों की कमी के कारण 50 फीसदी ही कोर्स पूरा हो सका है। ऐसे में इसको लेकर विद्यार्थी चिंतित नजर आ रहे हैं। इस अर्धवार्षिक परीक्षा के बाद भी आग विद्यार्थियों को पढ़ने का मौका कम ही मिलने वाला है।

अगले माह स्पोर्ट्स गतिविधियां और बालरंग जैसे कार्यक्रम आयोजित होंगे। वहीं जनवरी में त्यौहार होंगे। ऐसे में आगे का 50 फीसदी कोर्स भी पूरा होना मुश्किल नजर आ रहा है। उल्लेखनीय है कि इन परीक्षाओं के लिए प्रश्न-पत्र लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा तैयार कराए जाएंगे। इसके लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं।

5 प्रतिशत अंक वार्षिक परीक्षा में जोड़े जाएंगे

खास बात यह भी है कि 9वीं और 11वीं के विद्यार्थियों के इस परीक्षा के 5 प्रतिशत अंक वार्षिक परीक्षा में जोड़े जाएंगे। लोक शिक्षण संचालनालय ने परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया है। परीक्षा में नवंबर माह तक पढ़ाए गए कोर्स से ही प्रश्न पूछे जाएंगे। इन्हीं तारीखों के बीच प्राचार्य अपनी सुविधानुसार प्रायोगिक परीक्षाएं आयोजित करा सकेंगे।

सुविचार

`` पंछी कभी अपने बच्चों के भविष्य के लिए घोंसले बनाकर नहीं देते,वे तो बस उन्हें `उड़ने' की कला सिखाते हैं ''

-अज्ञात

संपादकीय

टीम के लिए खेल भावना दिखाएं

विश्वकप क्रिकेट स्पर्धा खत्म हो चुकी है और भारत के साथ मैच में जो हुआ,उसका दर्द अब तक हर क्रिकेट प्रेमी महसूस भी कर रहा है। मगर यही खेल की खासियत है कि जिसका दिन होता है, वह विजेता होता है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय खिलाड़ियों को ढांढस बंधाया है और उन्हें दिल्ली आने का न्योता दिया है। यह बात सही है कि खेल में हारजीत चलती रहती है, जीत के बाद तो कई कमजोरिया दबी रह जाती हैं लेकिन हार के बाद मैच में हुई हर ?चूक की विवेचना होती है। कसौटी पर देखें तो फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम निश्चित रूप से अच्छा खेली, जिसका इनाम उसे जीत के रूप में मिला भी,मगर भारतीय टीम जिस तरह फाइनल में अपनी लय खो बैठी वह एक ऐसी कमजोरी की तरह खटक रहा है, ऐसा पहले भी कुछ निर्णायक मुकाबले में हुआ है। निश्चित ही इस कमी को दूर करने की कोशिश होगी। लेकिन बात पूरे वर्ल्ड कप की करें तो टीम इंडिया की बराबरी में शायद ही कोई दूसरी टीम दिखेगी। लगातार दस मुकाबले उसने न केवल जीते बल्कि अपने उत्कृष्ट खेल से तमाम खेल प्रेमियों को चकित करती रही। अपनी आंखों के सामने अपनी टीम को खेलते, खिलते और चमकते हुए शिखर की ओर बढ़ते देखना हर भारतीय के लिए आंखें जुड़ाने वाला अनुभव साबित हो रहा था। एक मैच की जीत-हार, भले वह फाइनल ही क्यों न हो, देशवासियों से उस अनुभव का रोमांच नहीं छीन सकती। खासकर इसलिए भी कि उस टीम के खुलने, खिलने और चमकने में इंडिया या भारत के खुलने, खिलने और चमकने की कहानी भी बयां हो रही थी। भारतीय टीम में जो जो विविधता है, वह भारत की भी विशिष्टता है।यानि टीम की विविधता की चमक में ही देश की चमक छिपी हुई है। टीम के नये सदस्य शुभमन गिल पंजाब के सुदूर बसे एक ऐसे गांव से आते हैं, जो पाकिस्तान बॉर्डर से महज 8 किलोमीटर दूरी पर स्थित है, रवींद्र जाडेजा के पिता जामनगर में वॉचमैन का काम करते थे और मोहम्मद सिराज हैदराबाद में ऑटोरिक्शा चलाया करते थे। यानि हमारी टीम देशवासियों के हर हिस्से और हर तबके के खून और पसीने से मिलकर बनी है। फाइनल मैच का नतीजा इस तथ्य को नहीं बदल सकता कि रोहित शर्मा एक ऐसे कप्तान के रूप में उभरे हैं, जो हमेशा टीम को खुद से आगे रखता है। न ही यह तथ्य बदल सकता है कि विराट कोहली और मोहम्मद शमी ने सिखाया है कि कैसे अपने खेल को निरंतर मांजते हुए अपना श्रेष्ठ पेश किया जाता है। लेकिन इन तमाम उपलब्धियों के बीच एक देश के रूप में हमें इस वर्ल्ड कप से मिले कुछ उन सबकों को भी याद रखना होगा जो बताते हैं कि हममें कई बिंदुओं पर सुधार की जरूरत है। खासकर यह कि धर्म, जाति और क्षेत्र का चश्मा अक्सर हमारे क्रिकेट के प्यार को धूमिल कर देता है। चाहे वह अपने मोहम्मद शमी की किसी भूल से उपजी नाराजगी हो या पाकिस्तान जैसे देश की टीम के खिलाड़ियों के खिलाफ कुछ लोगों की ओर से व्यक्त की गई भावना हो। जाहिर है कि फूहड़ प्रतिक्रिया क्रिकेट की स्पिरिट को कमजोर करती है। विश्वककप की हार भर से भारत की टीम का चमकीला अध्याय धुंधला नहीं पड़ेगा,अभी कई मुकाबले और आएंगे और यही टीम यही खिलाड़ी अपनी फतह से एक कमजोर दिन को धुंधला बना देंगे।

कविता

रहना है विवादित !

– कृष्णेन्द्र राय

रह रह कर जिह्वा से ।
आते हैं बयान ।।
रहना है विवादित ।
इसी में सम्मान ।।
छोड़ कर सब काम ।
किए एजेंडा तय ।।
पकड़ लिए हैं अपनी ।
जो पुरानी लय ।।
है नज़दीक चुनाव ।
चर्चा में अब रहना ।।
बोल कर कुछ बोल ।
है आगे टहलना ।।
रोटी पानी बनी रहे ।
है उसका जुगाड़ ।।
हल्की फुल्की इसलिए ।
दिखती ये दहाड़ ।।

आज का इतिहास

- **498** : पोप अनास्तासियस द्वितीय की मृत्यु के बाद, सिमाकस को रोम के लेटरन पैलेस में पोप और सांता मारिया मैगीगोर में लॉरेंटियस को पोप चुना गया।
- **845** : ब्रिटेन के राजा नोमिनो ने फ्रैंकिश किंग टाकले चार्ल्स को हराया।
- **1718** : रॉबर्ट मेनार्ड ने समुद्री डाकू एडवर्ड टीच और ब्लैकबीर्ड के जहाज पर हमला किया और उस पर छापा मारा।
- **1830** : चार्ल्स ग्रे यूनाइटेड किंगडम के प्रधान मंत्री बने।
- **1858** : डेनवर शहर, कोलोराडो की स्थापना हुई।
- 1920 : हकीम अजमल ख़ान जामिया के पहले चांसलर बने।
- **1922** : हावर्ड कार्टर और लॉर्ड कार्नरवोन द्वारा तूतनखामेन का मकबरा खोला गया।
- **1935** : चाइना क्लिपर ने कैलिफोर्निया के अल्मेडा से अपनी पहली यात्रा शुरू की। उन्हें मनीला पहुंचने में एक सप्ताह का समय लगा।
- **1943** : द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जापान को हराने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डेलानो रूज़वेल्ट, ब्रिटिश प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल और चीनी शासक च्यांग काई शेक के बीच मंत्रणा हुई।
- **1943** : द्वितीय विश्व युद्ध-काहिरा बैठक।
- **1943** : लेबनान को फ्रांस से स्वतंत्रता मिली।
- **1950** : अमेरिका के रिचमंड हिल्स में रेल दुर्घटना में 79 लोगों की मृत्यु हो गई।
- **1963** : डलास (टेक्सास) में सं.रा. अमेरिका के राष्ट्रपति जॉन एफ? केनेडी की हत्या।
- **1967** : संयुक्त राष्ट्र ने 242वां प्रस्ताव पारित करके इजरायल को जमीन वापस करने का निर्देश दिया।
- **1968** : मद्रास राज्य का नाम बदलकर तमिलनाडु करने के प्रस्ताव को लोकसभा से स्वीकृति मिली।
- **1971** : भारत और पाकिस्तान ने एक दूसरे की हवाई सीमाओं का उल्लंघन किया और दोनों देशों के बीच हवाई संघर्ष शुरू हुआ।
- **1975** : जुआन कार्लोस स्पेन के राजा बने।
- **1975** : फ्रांसिस्को फ्रेंको की मृत्यु के बाद जुआन कार्लोस स्पेन के राजा बने।
- **1977** : ब्रिटिश एयरवेज ने लंदन से न्यूयॉर्क कॉनकॉर्ड का संचालन किया।
- **1988** : कैलिफोर्निया के पामडेल में पहले स्टील्थ बी-2 स्पिरिट स्टील्थ विमान का अनावरण।

बदलते हालात में युवाओं का कनाडा से मोहभंग

अमरजीत भुल्लर

पिछले करीब पांच दशकों से यही माना जाता था कि जो कोई भी कनाडा जाकर बसा, उसका अनुभव आमतौर बढ़िया रहा। अपना भविष्य संवारने को विदेश जाकर बसने को कनाडा एक तरजीही गंतव्य था। लेकिन अब वहां के हालात बहुत कठिन हैं। प्रवासी या तो अन्य देशों का रुख करने लगे हैं या फिर वतन लौटना पड़ रहा है। 'द लिकी बकेट : स्टडी ऑफ इमीग्रेंट रिटेन्शन ट्रेंड्स इन कनाडा' शीर्षक से हालिया अध्ययन बताता है कि अस्सी के दशक से कनाडा छोड़ अन्य देशों में बसने वाले आप्रवासियों की संख्या में बढ़ोतरी होती चली गई। यह संख्या वर्ष 2017 और 2019 के बीच सर्वाधिक रही। कोविड महामारी के बाद इनकी गिनती ज्यादा रहनी स्वाभाविक थी क्योंकि कनाडा की आर्थिकी में ह्रास हुआ है।

आप्रवासियों का कनाडा से पलायन या फिर मूल-राष्ट्र वापसी की दर बढ़ने से आयु वर्गों के बीच अनुपात संतुलन पर नकारात्मक असर पड़ना लाजिमी है। वर्ष 2010 में कुल जनसंख्या में 65 साल या उससे बड़े लोगों की संख्या 14.1 प्रतिशत थी, जो कि 2022 में बढ़कर 19 फीसदी हो गई। यदि आगंतुक आप्रवासियों के प्रवाह पर ऐसे ही अंकुश रहा तो यह अनुपात अंतर और चौड़ा होगा। इससे सरकार के कर-संग्रहण एवं व्यय खाते पर बहुत फर्क पड़ता है क्योंकि करदाताओं की संख्या कम हो रही है और पेंशनभोगियों या फिर गुज़र-बसर के लिए मदद के पात्रों की गिनती बढ़ रही है। बुजुर्ग वर्ग के बढ़ते अनुपात से स्वास्थ्य सेवा ढांचे पर और बोझ पड़ेगा।

इस स्थिति ने सरकार और नीति-निर्धारकों के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी। नीति-निर्धारक कनाडा में युवा कार्यबल बढ़ाने को विभिन्न आप्रवास नीतियों के जरिये युवाओं को बुलाने पर निर्भर हैं। इस नीति के तहत जो अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी पढ़ाई पूरी कर ले और शिक्षा उपरांत कार्यानुभव की न्यूनतम अविध की शर्त भी पूरी करता हो, उसे स्थाई-निवास अनुमति (पीआर) पाने की पेशकश होती है। वर्ष 2024 में 4,85,000 और 2025 में 5,00,000 पीआर परमिट देना तय किया गया है।

कनाडा के नए आप्रवासियों का समूह उच्च कौशल कर्मी, अस्थाई विदेशी कामगार और अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों से मिलकर बना है। प्रत्येक श्रेणी को अलग किस्म की मुश्किलें दरपेश हैं। जो उच्च-कौशल कर्मी बड़े उत्साह से कनाडा में भविष्य बनाने पहुंचे थे, यहां आने के बाद उन्हें भी मुश्किलें हो रही हैं। नियमानुसार जरूरी कौशल और अनुभव होने के बावजूद उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में सुरक्षित काम मिलना मुश्किल है। वे कम मेहनताना कबूल कर रहे हैं। अधिकांश कनाडाई नियोक्ता नए आप्रवासियों की अपने मूल देश में पाई शिक्षा और कार्यानुभव को मान्यता नहीं देते। कुछ नौकरी प्रदाताओं की तरजीह उत्तरी अमेरिका से पढ़कर आने वालों को रखने पर है।

यहां कार्य-लाइसेंस प्रक्रिया जटिल व महंगी है और पूरी होने में काफी वक्त भी लगता है। कनाडा सरकार द्वारा नियमों मे ढील देकर, दाखिले के तुरंत बाद शिक्षा-परिसर से बाहर अस्थाई काम करने की अनुमति देने के बाद अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की संख्या बढ़ने लगी। अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों की आमद से कनाडाई अर्थव्यवस्था बहुत लाभान्वित होती है। वर्ष 2022 में शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षा-परमिट पाए विद्यार्थियों की संख्या 8 लाख से अधिक थी। उस साल अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के आने से कनाडाई अर्थव्यवस्था में करीब 22 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ, और 2 लाख से अधिक स्थानीय लोगों की आय का सबब बना।

आमतौर पर नियोक्ता अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों को न्यूनतम वेतन देते हैं, लिहाजा यह छोटे दुकानदारों का कम श्रमिक खर्च में अधिक मुनाफा बनाने में सहायक होता है। दो साल की पढ़ाई और एक साल कनाडा में कार्य-अनुभव के बाद कोई विद्यार्थी पीआर पाने योग्य हो जाता है, लेकिन पीआर उन्हें मिलती है जिनका कॉम्प्रिहेंसिव रैंकिंग सिस्टम (सीआरएस) में तयशुदा स्कोर बनता हो। जिसके आधार पर आकलन कर एक्सप्रेस एंट्री पूल के लिए स्कोर और रैंकिंग निर्धारण किया जाता है। सीआरएस स्कोर आवेदक की क्षमताएं जैसे भाषा बोलने-समझने की काबिलियत, शिक्षा, कार्यानुभव और उम्र से जुड़ा है। साल 2022 के लिए, हरेक पूल में सीएसआर स्कोर की न्यूनतम योग्यता विभिन्न चक्र में अलग-अलग है, प्रत्येक चक्र में न्यूनतम सीएसआर स्कोर का कट-ऑफ अधिकांशतः 491 से 557 के बीच रखा गया है। किसी पूल में कट-ऑफ वैल्यू, आवेदनकर्ताओं की कुल संख्या, उनके सीएसआर स्कोर और आव्रजन विभाग ने कितने आवेदन पाने को मंजूरी दी है, इनके मद्देनज़र तय होती है। बीते तेईस अक्तूबर तक पूल में 2,14,874 आवेदन आए और इनमें केवल 3600 युवाओं को, जिनका सीएसआर स्कोर 431 से ऊपर रहा, अगले चयन चक्र के लिए बुलाया गया। अन्य रोजगार क्षेत्र में भी कामगारों की जरूरत न्यूनतम होने के कारण, आवेदकों को अन्य तरीकों से अतिरिक्त अंक हासिल करने में हो सकता है कई महीने या फिर कई साल इंतजार करना पड़े। हालांकि तब तक, वे तीन वर्षीय वर्क परमिट वाली अस्थाई कामगार श्रेणी में गिने जाएंगे। किसी नियोक्ता का नियुक्ति पत्र हाथ में होने पर अतिरिक्त अंक का दावा बन जाता है और इसके आधार पर लेबर मार्केट इम्पैक्ट वैल्यूएशन एसेसमेंट का अनुमोदन मिलता है। लेकिन यह कह देना बड़ा आसान है और करना मुश्किल क्योंकि जब किसी पूल में आवेदकों की संख्या बहुत अधिक हो और नौकरी के अवसर काफी कम, तो बहुत से पीआर चाहवानों को विभाग से बुलावा नहीं मिलता।

कभी-कभार सरकार सीएसआर स्कोर उत्तीर्णता सीमा में ढील देती है, जैसा कि 2021 में इसे घटाकर 75 कर दिया तो लाखों आवेदकों को लाभ हुआ। लेकिन अगली बार छूट कब होगी, पक्का नहीं। नतीजतन, कुछ विद्यार्थियों को अपने देश लौटना होगा। देखा गया है कि भारतीय छात्र लचीला रुख रखते हैं और लंबे समय इंतजार करते हैं या अपने सीएसआर स्कोर में बढ़ोतरी के लिए कोई अन्य हीला-हवाला अपनाने का प्रयास करते हैं। लेकिन यह बात सब पर लागू नहीं होती। सीबीसी न्यूज़, कनाडा ने 30 अप्रैल, 2022 को सरकारी आंकड़ों के हवाले से बताया कि अंतर्राष्ट्रीय छात्रों में 50 फीसदी का पढ़ाई के एक साल बाद कोई टैक्स-रिकॉर्ड नहीं है, जिससे माना जा सकता है कि वे कनाडा छोड़कर जा चुके हैं।

उपरोक्त व्यवस्थागत बाधाओं के अलावा नीतियों में बदलाव और कनाडा में जीवनयापन खर्च में भारी इजाफा आप्रवासियों को कनाडा-स्वप्न त्यागने को मजबूर कर रहा है। कनाडा मुद्रास्फीति की जकड़ में है और आय में आनुपातिक वृद्धि न होने के कारण लोगों की बचत घट रही है। आव्रजनों, शरणार्थियों और नागरिकता के चाहवानों को कनाडा बेशक पनाह देता है, लेकिन उनके यहां बसने और बने रहने के लिए बहुत कम उपाय करता है। पीआर पाने की राह जटिलताओं और बाधाओं से भरी पड़ी है, स्पष्टता नहीं है और अप्रत्याशित नीतियों से चालित है। लेकिन तमाम मुश्किलों के बावजूद अभी भी भारतीयों की कतारें कनाडा की ओर क्यों हैं? आप्रवास में धक्का और खिंचाव के रूप में दो बल काम करते हैं। भले ही कनाडा का खिंचाव कमजोर पड़ा हो लेकिन भारतीयों का धक्का अभी भी तगड़ा है।

साभार : लेखक यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्दन ब्रिटिश कोलंबिया में प्रोफेसर रहे हैं।

घटती महंगाई के बीच बढ़ रही है मांग, थोक व खुदरा मुद्रास्फीति में गिरावट अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी राहत

जयंतीलाल भंडारी

निश्चित रूप से दीपावली से जिस तरह देश के कोने-कोने में लगातार मांग में वृद्धि से बाजार में रौनक है, उसके आगे भी बने रहने की अनुकूलताएं दिखाई दे रही हैं। हाल ही में कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कहा कि देश भर में त्योहारों के दौरान खुदरा और स्थानीय बाजारों में अच्छी रौनक रही और 3.75 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड कारोबार हुआ है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईआई) की ताजा रिपोर्ट में सामने आया है कि अधिकांश कच्चे माल की लागत घट गई है। देश में रोजमर्रा के उपयोग के सामान (एफएमसीजी) की मांग में भी वृद्धि हो रही है। कच्चे माल की लागत कम होने से स्थानीय ब्रांडों के लिए कम कीमतों में एफएमसीजी उत्पाद तैयार कर बेचना आसान हो गया है।

बीते अक्तूबर में ई-वे बिल का आंकड़ा 10.3 करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। कोई भी सामान राज्य के भीतर और बाहर भेजने के लिए कारोबारी ऑनलाइन ई-वे बिल निकालते हैं। इनकी संख्या में वृद्धि अर्थव्यवस्था में मांग और आपूर्ति बढ़ने के रुझान का प्रारंभिक संकेत हैं। गौरतलब है कि बाजारों में तेज सुधार से चालू वित्त वर्ष में सरकार की कुल कर प्राप्तियां बजट अनुमान से काफी अधिक रहने की संभावना है। उम्मीद है कि प्रत्यक्ष कर और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में त्योहारी सीजन में आई तेजी आगामी महीनों में भी बनी रहेगी। वस्तुतः इस समय देश में बढ़ती मांग के तीन प्रमुख आधार हैं। महंगाई में नर्मी, बेरोजगारी के आंकड़े में गिरावट और सरकारी योजनाओं से लोगों के पास अधिक धन का प्रवाह। इन कारणों से लोग अधिक खर्च करने के लिए प्रेरित हुए हैं। निस्संदेह थोक एवं खुदरा महंगाई के सूचकांक राहत का परिदृश्य प्रस्तुत करते हैं। जहां इन दिनों वैश्विक खाद्यान्न संकट से वैश्विक महंगाई बढ़ी हुई है और दुनिया के बाजार पस्त दिखाई दे रहे हैं, वहीं इन प्रतिकूलताओं के बावजूद भारत के बाजारों में रौनक है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई बीते अक्तूबर में शून्य से 0.52 फीसदी नीचे रही। इस साल अप्रैल से यह लगातार सातवां महीना है, जब थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई शून्य से नीचे बनी हुई है। इसका शून्य से नीचे रहने का अर्थ कुल थोक कीमतों में सालाना आधार पर गिरावट है। इसी तरह उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति बीते अक्तूबर में घटकर 4.87 फीसदी पर आ गई। देश में ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में रोजगार बढ़ने से बाजार में सुधार को गति मिली है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा प्रकाशित ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, इस वर्ष ग्रामीण व शहरी, दोनों ही जगहों पर बेरोजगारी दर में कमी आई है और रोजगार की अच्छी स्थिति दिख रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के अनुसार, देश में पिछले छह वर्षों में बेरोजगारी दर छह फीसदी से घटकर 3.2 फीसदी पर आ गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर घटाने में मनरेगा की अहम भूमिका है, तो शहरों में बेरोजगारी दर घटाने में कौशल विकास, डिजिटल स्किल्स तथा गिग अर्थव्यवस्था की अहम भूमिका रही है। वैश्विक एजेंसियां भी भारत के बाजारों के बढ़ने के अनुमान जता रही हैं। रेटिंग एजेंसी मूडीज की ग्लोबल मैक्रो आउटलुक, 2024 की रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका की तुलना में भारत में कम प्रतिबंधात्मक व्यापार नीतियां, बेहतर बुनियादी ढांचे और मजबूत घरेलू मांग से भारत के बाजार और उद्योग आगे बढ़ रहे हैं, और भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में, वर्ष 2023-24 और 2024-25 के लिए देश की विकास दर क्रमशः 6.7 और 6.1 फीसदी रहने की संभावना है।

आगामी समय में देश के बाजारों में तेजी बनाए रखने के लिए हमें खाद्यान्नों की महंगाई पर नियंत्रण रखना होगा। चूंकि खरीफ फसल के कमजोर रहने और रबी की बुआई प्रभावित होने से आगे महंगाई बढ़ने का जोखिम है। ऐसे में, स्थिर रुपये, प्रबंधन योग्य ऊर्जा लागत और ईंधन की कीमतों पर कर नीति से महंगाई को स्थिर सीमा में रखने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा, अतिरिक्त नकदी की निकासी पर भी रिजर्व बैंक को ध्यान देना होगा। साथ ही, व्यापार की सरलता और रोजगार के अवसरों की बढ़ोतरी पर ध्यान देना होगा।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

फसलों की बुवाई, वृद्धि तथा उपज प्रभावित न हो, उपज और आय पर नही पड़ेगा विपरीत प्रभाव

कृषि विभाग की राय : गेहूं की खेती में डीएपी के विकल्प के तौर पर एनपीके है बेहतर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

किसान एन.पी.के. 12:32:16 का उपयोग कर फसली पौधों को पौषक तत्वों की आपूर्ति कर सकते है। गेहूं की बोवाई के समय एन.पी.के. खाद का प्रयोग लाभकारी है। एन.पी. के. 12:32:16 में पहला अंक एन. नाइट्रोजन-12 प्रतिशत, दूसरा अंक पी. फास्फोरस-32 प्रतिशत, तीसरा अंक के. पोटेशियम-16 प्रतिशत होता है। अभी कुछ समय से जिंक कोटेड रहने से 0.5 प्रतिशत जिंक की मात्रा रहती है। दानेदार रहने से अनाज वाली फसलों में बीज की बोवाई के समय प्रयोग कर सकते है, इसमें डी.ए.पी. की तुलना में 16 प्रतिशत पोटेशियम अतिरिक्त रहता है, जिससे फसल के दानों में चमक तथा वजन बढ़ाने तथा पौधे में कीट व्याधि के प्रति रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करता है, जबकि डी.ए.पी. में पोटेशियम नहीं होता है, जिस कारण दानेदार फसलों के लिये उतना उपयुक्त नही है, जितना एन.पी.के. उर्वरक होता है, एन.पी.के. उर्वरक सभी प्रकार की जमीन में उपयोग करना अच्छा रहता है, यह घुलनशील प्रकृति का है, जबकि डी.ए.पी. नही है। इस कारण से एन.पी.के. का असर, डी.ए.पी. की तुलना में फसलों पर जल्दी दिखाई देता है। यह जानकारी उपसंचालक कृषि जे आर हेडाऊ ने किसानों को दी हैं।

उप संचालक कृषि ने बताया कि किसान डी.ए.पी. की जगह अधिक लाभकारी वैकल्पिक उर्वरक एन.पी. के. 12:32:16 का प्रयोग करे, ताकि फसलों की बुवाई, वृद्धि तथा उपज प्रभावित न हो। जिले के समस्त डबल लॉक केंद्रों में 1743 मी.टन एन.पी.के. एस. तथा समस्त सहकारी समितियों में 78 मे.टन एन.पी.के.एस. उपलब्ध है। तहसील नर्मदापुरम अंतर्गत निजी उर्वरक विकेताओं जिनमें चौरे कृषि केंद्र पर 48 मे.टन एन.पी.के.एस,गौर कृषि सेवा केंद्र 35 मे.टन, जय श्री ट्रेडर्स 13 मे.टन, संतोष खाद भण्डार 09 मे.टन, शंकर खाद बीज मण्डार पर 33 मे.टन एन.पी.के.एस. उपलब्ध है।

तहसील माखननगर अंतर्गत निजी उर्वरक विक्रेताओं यथा अग्रवाल ट्रेडर्स पर 14 मे. टन एन.पी.के.एस., बालाजी ट्रेडर्स 10 मे.टन, प्रदीप कुमार वर्मा 12 मे.टन, शांतिदीप जैन कृषि सेवा 24 मे.टन, सोलंकी ट्रेडर्स पर 09 मे.टन. एन.पी.के.एस.उपलब्ध है।

तहसील बनखेड़ी अंतर्गत निजी उर्वरक विकेताओं यथा एच.के. कृषि मार्ट पर 28 मे.टन. जैन फर्टिलाईजर्स 09 मे.टन, मनमोहन फर्टिलाइजर्स 56 मे.टन, नर्मदा ट्रेडर्स पर 26 व हरिहर ट्रेडर्स पर 59 मे.टन एन.पी.के.एस.उपलब्ध है। तहसील इटारसी अंतर्गत निजी उर्वरक विक्रेताओं यथा एग्रो सर्विस सेंटर पर 1.75 मे.टन, गोठी फर्टिलाईजर्स 05 मे.टन, मधु फर्टिलाईजर्स 09 मे.टन, साहू, फर्टिलाईजर्स 05 मे.टन, रामस्नेही ट्रेडर्स पर 05 मे.टन एन.पी. के. एस उपलब्ध है।

तहसील पिपरिया अंतर्गत निजी उर्वरक विक्रेताओं यथा एग्रो सर्विस सेंटर पर 30 मे.टन, लालचंद मोहनलाल 22 मे.टन, पीताम्बरा ट्रेडर्स पर 04, अतुल ट्रेडर्स 21 मे.टन, कृषि संसार 30 मे.टन व माँ शारदा ट्रेडर्स पर 27 मे.टन एन.पी.के.एस.उपलब्ध है।तहसील सिवनीमालवा अंतर्गत निजी उर्वरक विक्रेताओं यथा आरव खाद भण्डार पर 09 मे.टन, पालीवाल खाद भण्डार 04 मे.टन, पायल खाद भण्डार 10 मे.टन, विशाल कृषि सेवा केंद्र 19 मे.टन एन.पी.के.एस.उपलब्ध है।

तहसील सोहागपुर अंतर्गत निजी उर्वरक विकेताओं यथा अजय ट्रेडर्स पर 09 मे.टन, खण्डेलवार कृषि सेवा केंद्र 19 मे.टन, माहेश्वरी ट्रेडर्स 11 मे.टन, कृपालदास राधामल 23 मे. टन, कृष्णा कृषि सेवा केंद्र में 30 मे.टन एन.पी.के.एस.उपलब्ध है। किसान भाईयो के अनुरोध है कि मृदा का प्रकार व फसल की आवश्यकतानुसार संतुलित मात्रा में उर्वरको का उपयोग करे।

बिना चले जनपद सीईओ का वाहन पी गया 3 लाख 40 हजार का डीजल! लॉग बुक गायब

नर्मदापुरम। सोहागपुर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राम सोनी ने वर्ष 2020-21 में शासकीय कार्य हेतु विभागीय अनुमति से वाहन क्रमांक एमपी 05-1245 अनुबंध किया. इस वाहन पर उक्त वर्ष में 3लाख 40हजार 179 रुपए का डीजल खर्च बताया गया. और सोहागपुर स्थित एक डीजल पंप पर इसका भुगतान भी कर दिया गया. वाहन किराए के रूप में वाहन मालिक को 2लाख 38हजार का भुगतान भी किया गया। जब एक आरटीआई कार्यकर्ता ने वर्ष 2020-21 की जनपद पंचायत सीईओ राम सोनी के अधिकृत वाहन की लॉग सूचना के अधिकार के अंतर्गत प्राप्त करने के लिए आवेदन दिया तो जानकारी नहीं दी गई. मामला राज्य सूचना आयोग में पहुंचा, जहां वर्तमान सीईओ अग्रवाल ने अपने बयान में बताया कि जनपद पंचायत सोहागपुर में तत्कालीन सी ई ओ सोनी के वाहन की लॉग बुक उपलब्ध नहीं है इसलिए दिया जाना संभव नहीं है।

आयोग ने अपने निर्णय में बताया कि जो अभिलेख दफ्तर में है ही नहीं उसे वर्तमान अधिकारी कहां से उपलब्ध करा सकते हैं, आयोग ने वर्तमान सीईओ से पूछा कि तत्कालीन सीईओ को लॉग जमा करने संबंधी कोई सूचना दी या नहीं. इस पर उन्होंने कहा कि कार्यालय द्वारा इस प्रकरण के संबंध में उन्हें अवगत कराया गया था. लेकिन कोई जवाब उनके द्वारा प्रेषित नहीं करने पर आवेदक को इस बारे में कुछ बताया नहीं गया।

बाल विवाह को रोकने के लिये विकासखण्ड स्तर पर उड़नदस्ते गठित

हरदा । कलेक्टर श्री ऋषि गर्ग ने बाल विवाह रोकने के लिये बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के तहत प्रत्येक विकासखण्ड स्तर पर उड़नदस्तों का गठन किया है। जारी आदेश अनुसार विकासखण्ड स्तर पर संबंधित एसडीएम की अध्यक्षता में उड़नदस्ता दल गठित किये गये है। उड़नदस्ता दल में सदस्य के रूप में संबंधित तहसीलदार, सीडीपीओ, विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, थाना प्रभारी, सेक्टर, पर्यवेक्षक एवं चाइल्ड लाइन सदस्य को शामिल किया गया है। कलेक्टर श्री गर्ग ने निर्देशित किया है कि उड़नदस्ता दल अपने क्षेत्र में होने वाले सामूहिक विवाहों में वर-वधुओं की आयु के प्रमाण-पत्र का अवलोकन करेंगे। किसी भी परिस्थिति में वर की आयु 21 वर्ष से कम तथा वधू की आयु 18 वर्ष से कम न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। वर अथवा वधू की आयु कम पाये जाने पर बाल विवाह रोकने का प्रयास करेंगे अन्यथा वैधानिक कार्यवाही करेंगे। कलेक्टर श्री गर्ग ने निर्देशित किया है कि देवउठनी ग्यारस पर बाल विवाह की शिकायत पाये जाने पर उड़नदस्ता दल सामूहिक रूप से विवाह स्थल पर जाकर वर-वधू की निर्धारित आयु सीमा से कम पाये जाने पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के तहत वैधानिक कार्यवाही करेगा। उन्होने निर्देशित किया है कि क्षेत्र के एसडीएम सामूहिक विवाह आयोजन की अनुमति इस शर्त पर ही जारी करेंगे कि वर की आयु 21 वर्ष तथा वधू की आयु 18 वर्ष से कम न हो। यह सुनिश्चित किया जाए कि जिले में एक भी बाल विवाह सम्पन्न न हो पाए।

संयुक्त संचालक ने किया हाई स्कूल हायर सेकेंडरी स्कूलों का निरीक्षण

बोर्ड परीक्षा परिणाम सुधारने के निर्देश

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

विधानसभा आम निर्वाचन 2023 मतदान प्रक्रिया समाप्त होने के चार दिन के बाद ही शिक्षा विभाग कक्षा दसवीं एवं कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम सुधारने की कयावद में जुट गया है तथा अलर्ट मोड पर है नर्मदापुरम संभाग में कक्षा दसवीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणाम सुधारने के लिए श्रीमती भावना दुबे संयुक्त संचालक लोक शिक्षण नर्मदा पुरम संभाग ने विकासखंड सिवनी मालवा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चतर खेड़ा, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खपरिया, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्या शाला सिवनी मालवा तथा शासकीय हाई स्कूल शैल का आकस्मिक निरीक्षण किया। संबंधित प्राचार्य को कक्षा दसवीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणाम सुधारने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए संयुक्त संचालक द्वारा शालाओं में प्रयोगशाला कक्षा, पुस्तकालय कक्ष, स्कूल परिसर की साफ सफाई का भी निरीक्षण किया। शाला में दर्ज छात्र-छात्राओं तथा उपस्थित छात्र-छात्राओं की जानकारी भी ली गई संयुक्त संचालक लोक शिक्षण द्वारा बताया गया कि बोर्ड परीक्षा के परीक्षा परिणाम सुधारने के लिए प्रति दिन संभाग के हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों का निरीक्षण किया जाएगा यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही पाई जाती है तो अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी। दिनांक 6 दिसंबर से कक्षा 9वी से लेकर 12वीं तक की अर्धवार्षिक परीक्षाएं हैं तथा माह फरवरी 2024 में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की वार्षिक परीक्षाएं संपन्न होना है इसलिए निदानात्मक कक्षाएं लगाकर पाठ्यक्रम को पूर्ण किया जाए।

दो दिवसीय महाबोधी महोत्सव तथा सांची मेला 25 व 26 नवम्बर को

रायसेन, दोपहर मेट्रो

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सांची में दिनांक 25 तथा 26 नवम्बर को महाबोधि महोत्सव एवं सांची मेला का आयोजन किया जा रहा है। महाबोधि महोत्सव एवं सांची मेला का गरिमामय, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित आयोजन हेतु कलेक्टर श्री अरविंद दुबे के आदेशानुसार एसडीएम रायसेन श्री मुकेश सिंह को नोडल अधिकारी बनाया गया है। साथ ही नायब तहसीलदा सांची और सीएमओ नगर पंचायत सांची को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। वर्तमान में विधानसभा आम निर्वाचन-2023 की आदर्श आचार संहिता प्रभावशील होने से मेला आयोजन के दौरान आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

आरटीओ ने किया बांद्राभान मेले का वाहन किराया निर्धारित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

बांद्राभान मेंला 25 से 28 नवम्बर तक माँ नर्मदा एवं तवा संगम स्थल पर लगेगा। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी नर्मदापुरम ने बताया है कि मध्यप्रदेश शासन परिवहन विभाग द्वारा नगर वाहनों को छोड़कर सामान्य प्रक्रम वाहनों के लिए प्रथम 5 किलोमीटर के लिए न्यूनतम किराया 7 रूपए एवं उसके पश्चात प्रति यात्री प्रति किलोमीटर या उसके भागांश के लिए 1.25 प्रति यात्री प्रति किलोमीटर निर्धारित किया गया है। इसके अनुसार नर्मदापुरम से बांद्राभान के लिए प्रति यात्री 9.50 रूपए, इटारसी से बांद्राभान 32 रूपए, माखननगर से 38.25 रूपए, सिवनीमालवा से 69.50 रूपए, सोहागपुर से 72 रूपए, पिपरिया से 97 रूपए, बुधनी से 20.75 रूपए एवं भोपाल से बांद्राभान का किराया प्रति यात्री 103.50 रूपए निर्धारित किया गया है।

वर्तमान सीईओ कहना है कि लॉग बुक दफ्तर में नहीं है

जब एक आरटीआई कार्यकर्ता ने वर्ष 2020-21 की जनपद पंचायत सीईओ राम सोनी के अधिकृत वाहन की लॉग सूचना के अधिकार के अंतर्गत प्राप्त करने के लिए आवेदन दिया. लेकिन जानकारी नहीं दी गई. मामला राज्य सूचना आयोग में पहुंचा. जहां वर्तमान सीईओ अग्रवाल ने अपने बयान में बताया कि जनपद पंचायत सोहागपुर में तत्कालीन सी ई ओ सोनी के वाहन की लॉग बुक उपलब्ध नहीं है इसलिए दिया जाना संभव नहीं है. आयोग ने अपने निर्णय में बताया कि जो अभिलेख दफ्तर में है ही नहीं उसे वर्तमान अधिकारी कहां से उपलब्ध करा सकते हैं. आयोग ने वर्तमान सीईओ से कहा कि आपने तत्कालीन सी ई ओ को लॉग जमा करने संबंधी कोई सूचना दी या नहीं. इस पर उन्होंने कहा कि कार्यालय द्वारा इस प्रकरण के संबंध में उन्हें अवगत कराया गया था. लेकिन कोई जवाब उनके द्वारा प्रेषित नहीं करने पर आवेदक को इस बारे में कुछ बताया नहीं गया।

मामला भ्रष्टाचार का है जांच के लिए पहुंचेगा

जब शासकीय अधिकृत वाहन का उपयोग किया जाता है तो उसके उपयोग संबंधी प्रमाण लॉग बुक में समाहित रहते हैं. वाहन में जो ईंधन खर्च किया गया है उस ईंधन के अनुपात में वाहन ने कितनी दूरी तय की है. इस बात का स्पष्ट प्रमाण रहता है. लेकिन जब लॉग बुक में कोई दूरी संबंधी बात लिखी ही नहीं गई है तो कैसे विश्वास किया जाए कि जितना भुगतान ईंधन के नाम पर किया गया है वह सही है। तत्कालीन सोनी द्वारा वाहन की लॉग बुक संधारित ना करके स्वयं ने अपने भ्रष्टाचार की जांच करने के लिए खुला दरवाजा छोड़ दिया है.यह मामला भ्रष्टाचार को लेकर जांच के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

मेट्रो एंकर — मेला स्थल पर समतलीकरण, लेआउट, पार्किंग सहित सुरक्षा की सभी तैयारियां शीघ्र पूर्ण के निर्देश

बांद्राभान मेला तैयारियों का कलेक्टर एसपी ने किया निरीक्षण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिला मुख्यालय से 7 किलोमीटर दूर तवा और नर्मदा नदी के संगम पर 25 नवंबर से 28 नवंबर तक प्रसिद्ध बांद्राभान का मेला लगेगा। नर्मदापुरम कलेक्टर नीरज कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरण सिंह ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर मेले की तैयारियों का जायजा लिया।

कलेक्टर श्री सिंह ने जिला खनीज अधिकारी को निर्देशित किया कि मेला स्थल के समतलीकरण और ले आउट डालने का काम शीघ्र पूरा करें। उन्होंने मेला स्थल पर सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने होमगार्ड के अमले को निर्देशित किया कि नदी क्षेत्र का बारीकी से मुआयना कर श्रद्धालुओं के स्नान योग्य सुरक्षित स्थान पर चैन या रस्सी से मार्किंग की जाए। व्यवस्थित बेरिकेडिंग भी कराएं।पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह ने निर्देश दिए कि मेला स्थल पर वॉच टावर भी लगाया जाए ताकि सुरक्षा के दृष्टि से श्रद्धालुओं की सतत निगरानी की जा सके। श्रद्धालुओं के स्नान योग्य क्षेत्र तक जाने के लिए व्यवस्थित पाथवे भी बनाएं।

इसके बाद कलेक्टर एसपी ने पार्किंग स्थल का भी निरीक्षण कर यहां समुचित व्यवस्थाएं समयसीमा पर सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एस एस रावत, एसडीएम नर्मदापुरम आशीष पांडे,डीएसपी ट्रैफिक संतोष मिश्रा, एसडीओपी पराग सैनी, एसडीओ लोक निर्माण विभाग राजीव पाठक मुख्य नगर पालिका अधिकारी नर्मदापुरम नवनीत पांडे, जनपद सीईओ हेमंत सूत्रकर, माइनिंग अधिकारी दिवेश मरकाम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर पालिका सीएमओ ने की आंखें बंद, विकास या भ्रष्टाचार

कायाकल्प योजना में सड़क बनाने के नाम पर जमकर हो रहा भ्रष्टाचार ?

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शहर के विकास के नाम पर करोड़ों की लागत से कायाकल्प योजना के अंतर्गत सड़क का निर्माण नगर पालिका परिषद के द्वारा भोपाल के ठेकेदार से करवाया जा रहा है । जो काम कई महीनो पहले पूर्ण होना चाहिए था वह काम आज भी अधर में लटका हुआ है,इसी बात का फायदा उठाकर घटिया काम को अंजाम देकर खाना पूर्ति की जा रही है। नगर पालिका परिषद के जिम्मेदार अधिकारियों ने आंखें बंद कर रखी है। अब तो मिट्टी डालकर बेस तैयार होती है और सुबह सीसी डालकर सड़क तैयार कर दी जाती है इसको देखने के लिए भी कोई नहीं पहुंच रहा है। घटिया कार्य होने से कुछ दिनों के बाद ही सीसी सड़क गढ़ों में तब्दील हो जाएगी ऐसी बात भी आसपास के दुकानदारों के द्वारा की जा रही है।

सड़क को बनाने के नाम पर जमकर भ्रष्टाचार होने के आरोप भी लगातार लगा रहे हैं। इसके बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों ने आंखें बंद कर ली है ।अब तो ठेकेदार ने हद को पार करते हुए अपने हिसाब से जो सड़क बनाई जा रही है उस पर बैस का उपयोग भी नहीं किया रहा है। मिट्टी युक्त कोपर डालकर रातों-रात सी सी डालने का काम कर दिया जाता है। इसको देखने के लिए नगर पालिका परिषद के सीएमओ से लेकर इंजीनियर भी जांच करने नहीं पहुंच रहे है ।इससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि इनकी मिली भगत से ही घटिया काम करके भ्रष्टाचार हो रहा है । तभी तो सड़क की गुणवत्ता पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है । जबकि क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने घटिया काम को लेकर स्थानीय से लेकर भोपाल और दिल्ली तक शिकायत की थी फिर टीम जांच करने के लिए आई और सैंपल लेकर चली गई थी उस समय ठेकेदार ने सड़क बनाने का काम बंद कर दिया था पर आचार संहिता लगते ही ठेकेदार सड़क बनाने के नाम पर खाना पूर्ति कर रहा है। अंकुश लगाने का काम नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारियों करना था पर वह देखने के लिए ही पहुंची नहीं रहे। इसी तरह घटिया काम होता रहा तो सड़क बनने के कुछ महीनो के बाद ही जब गढ़ों में तब्दील होने लगेगी तब भ्रष्टाचार की पोल खुलेगी। क्योंकि पहले भी इसी तरह सड़क बनाने काम कई ठेकेदारों ने कुछ अधिकारियों से साथ गांड करके किया जिनकी पोल खुल रही है ऐसी सड़के गढ़ों में तब्दील हो चुकी हैं। घटिया काम की शिकायत लगातार आसपास के दुकानदारों से लेकर कांग्रेस पार्टी के पार्षदों के द्वारा नगर पालिका सीएमओ से कई बार की जा चुकी हैं । इसके बाद भी सड़क के घटिया काम को देखने के लिए यह पहुंच नहीं रहे हैं। इससे ऐसा लग रहा इनके द्वारा ही घटिया निर्माण कार्य करवा कर भ्रष्टाचार करवाने का काम किया जा रहा है ।जबकि कायाकल्प योजना के अंतर्गत शहर की कायाकल्प करने के उद्देश्य को लेकर सड़क का निर्माण कार्य होना था पर ऐसा ना करते हुए भ्रष्टाचार करने का काम जरूर होता हुआ दिखाई दे रहा है। अब देखने वाली बात होगी की घटिया काम पर रोक लगाने के लिए जिम्मेदार अधिकारी ध्यान देंगे या फिर इसी तरह घटिया काम को अंजाम देकर ठेकेदार खाना पूर्ति करके चलते बनेंगे इसकी सजा नगर वासियों को आने वाले दिनों में उठानी पड़ेगी।

विकास के नाम पर खुलेआम भ्रष्टाचार – शहर का विकास करने के नाम पर खुलेआम भ्रष्टाचार होने की बात नगर वासियों के द्वारा की जा रही है। उनकी शिकायतों को भी दरकिनार करते हुए ठेकेदार अपने हिसाब से कम ही कर रहा है। नगर पालिका के अधिकारी आंखें बंद करके तमाशा देख रहे हैं जिस हिसाब से अभी काम हो रहा है। उसको देखते हुए ऐसा लगा रहा है चंद दिनों में ही सड़क उखड़ने लगेगी गुणवत्ता पूर्ण कार्य करने की जिम्मेदारी है नगर पालिक परिषद के अधिकारियों के कंधों पर है लेकिन यह कार्यालय में बैठकर कुर्सी तोड़ा है । कभी घटिया काम की जांच करने के लिए भी नहीं पहुंच रहे तभी तो रात के अंधेरे में सड़क बनाने का काम किया जा रहा है। भुगतान भी निरंतर ठेकेदार को किया जा रहा है इनकी नजरों में सब अच्छा काम ठेकेदार के द्वारा किया जा रहा है।

मिट्टी डालकर हो रहा है काम – पहले तो लगातार शिकायतों के बाद ठेकेदार के द्वारा बेस गिट्टी सीमेंट से तैयार करके बनाई जा रही थी पर कुछ दिनों से तो बेस बनाने का काम किया नहीं जा रहा है केवल मिट्टी युक्त कोबरा डाला जाता है। उसको भी रात के अंधेरे में लेविल करके ऊपर से सीसी डाल दी जाती है। सुबह जब लोग यहां से निकलते हैं तो वहां पर सड़क डाली हुई मिलती है। गुणवत्ता का कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है । इस संबंध में जब मुख्य नगर पालिका अधिकारी से बात करने की कोशिश की तो उन्होंने इस पर अपना जवाब देना ही उचित नहीं समझा।

इनका कहना है

सड़क बनाने के नाम पर जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है टेंडर की शर्तों का पालन नहीं हो रहा है घटिया काम को लेकर हमने शिकायत की है नगर पालिका में खुलेआम भ्रष्टाचार का खेल चल रहा है। जल्दी ही हमारी सरकार आने वाली इसके बाद हम इसकी जांच करवाएंगे भ्रष्टाचार करने ठेकेदार अधिकारियों पर पर कार्रवाई भी करवाई जाएगी ।

रामदयाल विश्वकर्मा पार्षद

जमियत उल्मा ए हिन्द के पदाधिकारियों की बैठक

मुस्लिम नौजवानो को आधुनिक शिक्षा देने पर चर्चा

सिरोंज। भोपाल रोड पर चक महू में जमियत उल्मा ए हिन्द के जिला पदाधिकारियों की बैठक की महू में बैठक का आयोजन किया गया जिसमे मुस्लिम समाज में नोजवानो को आला तालीम दिलवाने और आधुनिक तालीम देने पर चर्चा हुई सामाजिक एकता पर भी जोर दिया गया सभी समाजों को आपस में जोड़कर मुल्क में अमन और शांति को कायम किया जाये बैठक की सरपरस्ती मोलाना गाजी वली चिश्ती ने किया बैठक का अहम पहलु मुल्क के सभी वर्गों को जोड़कर मिल्क में अमन शांति कायम करना और आगामी कामों की तैयारी करना था वली साहब ने कहा की जमियत का असल मकसद मुल्क में किसी भेदभाव के हर समाज के मजलूम और बेसहारा लोगों की मदद करना है इस दौरान जमियत के पदाधिकारी एवं शहर के कई लोग शामिल हुए।

छतरी मंदिर पर हुआ अन्नकूट का आयोजन

सिरोंज। छती नाक श्री हनुमान जी मंदिर पर अन्नकूट कूट का आयोजन हुआ। भगवान को सबसे पहले अन्ना कूट का भोग लगाया गया। इसके बाद आरती हुई उसके उपरांत श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण किया गया प्रसादी लेने के लिए भक्तों का ताता लग रह। मंदिर के पुजारी दीपक महाराज ने बताया कि भगवान को अन्नकूट का भोग लगाया गया इसके बाद आरती हुई फिर प्रसादी का वितरण किया गया । इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण मौजूद थे।

सोशल मीडिया पर ईवीएम के साथ फोटो खींचकर डालने पर की शिकायत

सिरोंज। चुनाव के परिणाम नहीं आने तक आचार संहिता प्रभावी रूप से लागू रहती है। मतदान को घुटने बनाने के लिए पोलिंग बूथ के अंदर मोबाइल ले जाने पर प्रतिबंध होता है। निर्वाचन को लेकर गाइडलाइन भी जारी की गई है। इसको लेकर लगातार निर्वाचन विभाग के द्वारा प्रचार प्रसार किया जाता है । इसके बाद भी कुछ लोगों ने अपने प्रत्याशी को खुश करने के लिए वोट डालते हुए फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर डालने का काम किया है। जिसको लेकर वकील वकील यादव राजेश साहू विष्णु कुशवाहा विवेक श्रीवास्तव ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी और 147 के निर्वाचन अधिकारी को शिकायत आवेदन देते हुए कहा कि जिन लोगों ने इस तरह से पोलिंग बूथ के अंदर पहुंचकर मोबाइल का उपयोग करते हुए फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर डाली है। यह आचार संहिता का उल्लंघन ऐसा करने वालों पर कार्रवाई की जाए इसके अलावा भी जिन मतदान कर्मियों की लापरवाही से मतदान केंद्र के अंदर तस्वीर खींचकर सोशल मीडिया पर डाली गई है। उनकी पहचान करके इन सब के खिलाफ नियम विरोध कृत करते के तहत कानूनी कार्रवाई की जाए। आप देखना है कि इस तरह से सोशल मीडिया पर तस्वीर वायरल करने वालों और मतदान केंद्र के अंदर प्रतिबंध के बाद भी मोबाइल का उपयोग करने वालों की पहचान होगी या नहीं और जिन मतदान केदो पर ऐसा हुआ है उन मतदान कर्मियों पर भी अंकुश लगाया जाएगा या नहीं शिकायतकर्ताओं ने बड़ी संख्या में सोशल मीडिया पर डाली गई तस्वीर भी उपलब्ध कराई है।

जिले में शांतिपूर्ण मतदान के लिए कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने माना आभार

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

जिले की सभी पांचों विधानसभाओं में स्वतंत्र, निष्पक्ष, सुगम और पारदर्शी तरीके व शांतिपूर्ण ढंग से मतदान संपन्न होने पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री उमाशंकर भार्गव और पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला ने जिले में निर्वाचन कार्य में संलग्न सभी अधिकारियोंध्कर्मचारियों सहित आम नागरिकों, मतदाताओं, सुरक्षा बलों, मीडिया कर्मियों आदि के प्रति आभार व्यक्त किया है।

कलेक्टर श्री भार्गव ने सोमवार को आयोजित बैठक के दरमियान कहा है कि विधानसभा निर्वाचन कार्य से संबद्ध प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों , जिला अधिकारियों और कर्मचारियों के सराहनीय योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा कि सभी शासकीय कर्मियों की लगन, निष्ठा और कड़ी मेहनत की वजह से जिले के सभी मतदान केन्द्रों में शांति पूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान संपन्न हुआ।

कलेक्टर श्री भार्गव ने विशेष रूप से दिव्यांग मतदाताओं, 80 वर्ष से अधिक उम्र और गर्भवतीध्धात्री मतदाताओं द्वारा मतदान के पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाने के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की है। कलेक्टर श्री भार्गव ने कहा कि निर्वाचन की आचार संहिता लगने के पहले से जिले के अधिकारियों-कर्मचारियों ने निर्विघ्न चुनाव कार्य संपन्न कराने के लिए जो मेहनत की थी वह फलीभूत हुई है।

कलेक्टर श्री भार्गव ने इसके लिए सभी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है।कलेक्टर श्री भार्गव ने निर्वाचन कार्य के कव्हरेज में रचनात्मक सहयोग प्रदान करने के लिए जिले के सभी प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधियों का धन्यवाद ज्ञापित किया है।

पोस्टल बैलेट से 7043 मतपत्र डाले गए

विधानसभा निर्वाचन 2023 में विदिशा जिले में पोस्टल बैलट के माध्यम से 80 प्लस और पीडब्ल्यूडी मतदाताओं के अलावा सुविधा केंद्र पर मतदान कर्मी एवं अन्य कर्मचारियों के द्वारा कुल 7043 मत पत्र डाले गए हैं। जिनमें 80 प्लस और पीडब्ल्यूडी मतदाताओं की संख्या 273 तथा सुविधा केंद्र पर मतदान कर्मी एवं अन्य कर्मचारियों की संख्या 6770 है जिनके द्वारा पोस्टल बैलट के माध्यम से मतदान किया गया है। 80 प्लस और पीडब्ल्यूडी मतदाताओं के द्वारा पोस्टल बैलट के माध्यम से डाले गए मत पत्र की विधानसभा वार जानकारी इस प्रकार है, विदिशा विधानसभा में 80 प्लस 116 तथा 31 पीडब्ल्यूडी मतदाताओं ने पोस्टल बैलट से मतदान किया है।

पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण 10 से 12 दिसम्बर

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण विदिशा सहित प्रदेश के 16 जिलों में 10 से 12 दिसम्बर, 2023 को क्रियान्वित किया जाएगा। अतिरिक्त अभियान में जिले के जीरो से 5 वर्ष आयु के बच्चों को पल्स पोलियो वैक्सीन की खुराक दी जायेगी। अभियान की तैयारियों के सिलसिले में एनएचएम मुख्यालय द्वारा दिशा निर्देश प्रसारित किए गए हैं।

जिसमें मुख्य रूप से महिला-बाल विकास, स्कूल शिक्षा, नगरीय प्रशासन, वन, पंचायत, आदिम जाति कल्याण, आयुष, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों और डब्ल्यू.एच.ओ., यूनिसेफ, यूएनडीपी और अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सहयोग अपेक्षित किया गया है। अभियान में दी जाने वाली जिम्मेदारियों से अवगत कराने के कार्यो समय-सीमा में पूरे हो साथ ही विभिन्न विभागों के अधिकारियों से अभियान के सफल संचालन के लिये सुझाव भी आमंत्रित किए गए हैं।

गौरतलब हो कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान में पोलियो के केस मिलने के कारण और साथ ही पोलियो-फ्री स्टेटस को मेंटेन रखने के लिये पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण क्रियान्वयन किया जा रहा है। प्रदेश के भिण्ड, भोपाल, छिंदवाड़ा, दतिया, ग्वालियर, इंदौर, कटनी, खरगौन, मंदसौर, नरसिंहपुर, नीमच, निवाड़ी, सतना, श्योपुर, टीकमगढ़ और विदिशा जिलों में अभियान संचालित होगा। इन जिलों में पोलियो दवाई पिलाने के लिये स्थानीय बूथ के साथ-साथ माइग्रेटरी पापुलेशन को कवर करने के लिये मोबाइल टीम भी गठित की जायेगी। मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर योगेश तिवारी ने बताया कि विदिशा जिले में 0 से 5 वर्ष तक के कुल 2 लाख 24 हजार 839 को अतिरिक्त पोलियो अभियान के तहत विमुक्ति की दवा पिलाई जाएगी

मेट्रो एंकर

समिति द्वारा कई धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन भी रखा गया

त्रिपुरा शीतल सुंदरी वार्ड क्रमांक 17 में चल रहे मासिक कार्तिक स्नान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

त्रिपुरा शीतल सुंदरी वार्ड क्रमांक 17 में चल रहे मासिक कार्तिक स्नान के श्रद्धालुओं द्वारा नगर सिरोंज के प्रधान पुजारी पंडित नलिनी कांत शर्मा के नेतृत्व में आज नगर परिक्रमा की गई नगर परिक्रमा मंगलवार को सुबह 9:00 बजे से कार्तिक घाट शिव मंदिर से प्रारंभ हुई जो देर शाम कार्तिक घाट मंदिर पर जाकर शाम को 5:00 बजे समाप्त हुई आज नगर परिक्रमा में कार्तिक मास में स्नान करने वाली महिलाएं एवं पुरुष सम्मिलित हुए कार्तिक मा में व्रत एवं दीपदान करने वाली महिलाओं द्वारा सिरोंज के कार्तिक घाट स्थित 12 ज्योतिर्लिंगों की पूजन अर्चना आरती कर परिक्रमा प्रारंभ की गई जो बाईपास मार्ग स्थित भैरव मंदिर अलीगंज स्थित हनुमान मंदिर नीलकंठ मंदिर करीमाबाद में स्थित हनुमान मंदिर एवं बताइए हनुमान मंदिर लक्ष्मण मंदिर भोपाल रोड स्थित जटा शंकर मंदिरआदि मंदिरों में पूजा अर्चना करते हुए वापस नगर परिक्रमा के श्रद्धालु कार्तिक घाट सिरोंज पहुंचे आपको बता दें कि विगत कई दिनों से कार्तिक महोत्सव चल रहा है इस कार्तिक महोत्सव में प्रातः 4:00 बजे से महिला एवं पुरुष स्नान कर शीतला माता मंदिर एवं तुलसी पूजा आदि कर रही है शाम को कपित केतन गंगा की आरती एवं दीपदान किया जा रहा है।

इस दौरान क ई धार्मिक कथाओं का आयोजन भी रखा गया है जिसे सुनने के लिए नगर से कई वार्डो से महिला एवं पुरुष एकत्रित हो रहे हैं कई दिनों से सिरोंज में धर्म की बेर इस कार्यक्रम के चलते व्याप्त है 25 नवंबर 2023 को हरिहर मिलन कार्यक्रम रखा गया है जो शीतला माता मंदिर से शाम के समय शुरू होगा और मदन मोहन सरकार के मंदिर में जाकर समाप्त होगा इस दिन कई धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन भी रखा गया है।

मोहाली, इंदौर और बेंगलुरु में होंगे मुकाबले, बोर्ड ने किया तारीखों का ऐलान

टीम इंडिया अगले साल घरेलू सीजन की शुरुआत टी-20 सीरीज खेलकर करेगी

काबुल, एजेंसी

टीम इंडिया अगले साल घरेलू सीजन की शुरुआत अफगानिस्तान से टी-20 सीरीज खेलकर करेगी। टीम को जनवरी महीने में अफगान टीम से 3 टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस सीरीज का शेड्यूल जारी किया है। सीरीज का पहला मुकाबला 11 जनवरी को मोहाली में होगा, जबकि दूसरा 14 जनवरी को इंदौर और तीसरा 17 जनवरी को बेंगलुरु में खेला जाएगा।

बीसीसीआई उतार सकता है अफगानों के खिलाफ युवा टीम

बीसीसीआई अफगानिस्तान के खिलाफ युवा खिलाड़ियों की टीम उतार सकता है, क्योंकि इस सीरीज से पहले टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका दौरे में जाना है, जहां ऑल फॉर्मेट सीरीज खेलना है। ऐसे में अफ्रीका दौरे पर फुल स्टैंथ टीम जाएगी। ऐसे में साल के पहले होम असाइनमेंट पर सिलेक्टर्स सीनियर को आराम दे सकते है। अफगानों के खिलाफ सीरीज के बाद टीम इंडिया से इंग्लैंड से 5 टेस्ट मैचों की दो महीने लंबी सीरीज खेलनी है। अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से अहम है।

भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान

भारत के खिलाफ खेले जाने वाले पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम का ऐलान कर दिया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड कप के बाद खेली जाने वाली सीरीज के लिए 14 खिलाड़ियों को चुन लिया है। टीम की कप्तानी मैथ्यू वेड को सौंपी गई है।

ऑस्ट्रेलिया टी-20 टीम: मैथ्यू वेड (कप्तान), जेसन बेहरेनडॉर्फ, सीन एबॉट, टिम डेविड, नाथन एलिस, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर सांघा, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वॉर्नर, एडम जम्पा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी युवा टीम चुनी, सूर्या कप्तान

भारतीय बोर्ड ने एक दिन पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 टी-20 मैचों की सीरीज के लिए युवाओं से भरी टीम इंडिया का ऐलान किया है। इस टीम की कमान सूर्यकुमार यादव को सौंपी है, जबकि ऋतुराज गायकवाड डिप्टी बनाए गए हैं। गौरतलब है कि भारतीय टीम को दो दिन पहले वर्ल्ड कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 6 विकेट की करारी हार झेलनी पड़ी थी। अहमदाबाद में 19 नवंबर को खेले गए फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने 241 रन का टारगेट 43 ओवर में 4 विकेट पर हासिल कर लिया था।

कंगारुओं से पांच मैचों की सीरीज होगी

वनडे वर्ल्ड कप के बाद भारत ऑस्ट्रेलिया के साथ टी-20 सीरीज खेलेगा, जो 23 नवंबर से शुरू होकर 3 दिसंबर तक चलेगी। इस सीरीज के मुकाबले वाइजैग, त्रिवेंद्रम, गुवाहाटी, नागपुर और हैदराबाद में खेले जाएंगे। वर्ल्ड कप खेल रहे कुछ खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड ने आराम देने का फैसला किया है।

वर्ल्ड कप के बाद कंगारुओं से 5 टी-20 मैचों की सीरीज होगी

वनडे वर्ल्ड कप के बाद भारत ऑस्ट्रेलिया के साथ टी-20 सीरीज खेलेगा, जो 23 नवंबर से शुरू होकर 3 दिसंबर तक चलेगी। इस सीरीज के मुकाबले गुवाहाटी, नागपुर और हैदराबाद में खेले जाएंगे। वर्ल्ड कप खेल रहे कुछ खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड ने आराम देने का फैसला किया है, जिसमें मिचेल मार्श, पैट कमिंस आदि शामिल हैं।

द्विपक्षीय सीरीज का दौर शुरू होगा

एशिया कप और वनडे वर्ल्ड कप खत्म होने के बाद अब द्विपक्षीय सीरीज का दौर शुरू होने जा रहा है। 23 नवंबर को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 मैचों की टी-20 सीरीज से इसकी शुरुआत और बाकी टेस्ट प्लेइंग देशों की भी सीरीज शुरू हो जाएगी।

फीफा वर्ल्ड कप-2026

क्वालिफायर में कतर ने भारत को 3-0 से हराया

भुवनेश्वर, एजेंसी

भारतीय फुटबॉल टीम को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वालिफायर में हार का सामना करना पड़ा है। भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में भारतीय टीम को 61वें नंबर की टीम कतर ने 3-0 से हराया। यह भारत की क्वालिफायर में भारत की पहली हार है। टीम ने पहले मुकाबले में कुवैत को 1-0 से हराया था। इस हार के बाद भारतीय टीम दूसरे दौर के क्वालिफायर के ग्रुप -ए में दूसरे स्थान पर है, जबकि कतर 2 में से 2 जीत के साथ टॉप पर है। भारत का अगला मुकाबला 21 अप्रैल 2024 में अफगानिस्तान के साथ होगा।

2 बार ड्रॉ पर रोक चुकी है टीम इंडिया

इससे पहले, टीम इंडिया कतर को दो दफा गोलरहित ड्रॉ पर रोक चुकी है। भारत ने 2022 वर्ल्ड कप के दूसरे दौर के क्वालिफायर में 10 सितंबर, 2019 को कतर को गोलरहित ड्रॉ पर रोककर फुटबॉल जगत को चौका दिया था। टीम ने 4 साल पहले एशियाई चैंपियन कतर को गोलरहित ड्रॉ पर रोका था। रैंकिंग में दोनों टीमों के बीच डबल का अंतर है। भारतीय टीम की वर्तमान रैंकिंग 102 है, जबकि कतर 61वें नंबर की टीम है। साथ में कतर की टीम एशियन चैंपियन भी है।

सेकेंड हाफ - 2 गोल खाए, कतर का दमदार खेल

मुकाबले में दूसरे हाफ में भारतीय टीम बेरंग दिखी। इस हाफ में कतर की टीम ने भारतीय टीम के खिलाफ 2 गोल दागे। दूसरे हाफ की शुरुआत में मैच के 47वें मिनट में कतर के अल्मोएज अली ने गोल करके बढ़त 2-0 कर दी। फिर यूसुफ अब्दुरिसाग ने 87वें मिनट में हेडर के जरिए तीसरा गोल दागा।

हाफ टाइम - 1-0 रहा स्कोर, झिंगन को यलो कार्ड

कतर की टीम ने अटैकिंग शुरुआत की। टीम ने पहले चार मिनट में बैक-टु-बैक तीन हमले किए। इसका मेहमान टीम को फायदा चौथे मिनट में मिला। मुस्तफा तारेक माशल ने टीम के अल अब्दुल्ला के पास पर गोल दागा। 16वें मिनट में भारतीय डिफेंडर संदेश झिंगन को पीला कार्ड दिया गया।

फाइनल में भारत की हार पर शाहिद अफरीदी बोले 'ओवर कॉन्फिडेंस आपको मरवा देती है'

इस्लामाबाद, एजेंसी

विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की हार की पाकिस्तान में भी खूब चर्चा है। टीवी चैनलों पर स्पेशल शो चलकर भारत की हार पर चर्चा की जा रही है। इस बीच, पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी की एक टिप्पणी सोशल मीडिया पर वायरल हुई है।

अफरीदी ने पाकिस्तान के चैनल समा टीवी पर लाइव प्रोग्राम के दौरान यह बात कही। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस के खिलाफ बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने खराब शॉट खेला। इस पर टिप्पणी करते हुए अफरीदी ने कहा, जब आप लगातार जीतते रहते हैं और अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो अति आत्मविश्वास भी ज्यादा हो जाता है।

तो वह चीज आपको मारवाह देती है। यह अति आत्मविश्वास पतन का कारण बन सकता है। अफरीदी का यह बयान भारत में भी वायरल है। भारतीय फैन्स नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। उनका कहना है कि अफरीदी पहले अपने देश की टीम का प्रदर्शन सुधारें। बता दें, विश्व कप का फाइनल मुकाबला रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। इससे पहले के सभी 10 मैच जीतने वाली टीम इंडिया को विश्व कप का दावेदार माना जा रहा था, लेकिन फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा। टॉस हारने के बाद भारत को पहले बल्लेबाजी करना पड़ी। पिच स्लो थी और रन बनाना आसान नहीं था। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल केवल 4 रन पर आउट हुए, इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने पकड़ बना ली। भारतीय टीम 50 ओवर में सिर्फ 240 रन बना सकी। कंगारुओं ने 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

साउथ अफ्रीका में होगा टूर्नामेंट, आईसीसी इवेंट और सीरीज खेलता रहेगा श्रीलंका

आईसीसी ने श्रीलंका से अंडर-19 वर्ल्ड कप की मेजबानी छीनी

नईदिल्ली, एजेंसी

आईसीसी ने श्रीलंका से अंडर-19 वर्ल्ड वर्ल्ड 2024 की मेजबानी छीन ली है। यह टूर्नामेंट जनवरी में खेला जाना है। अब यह वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका में खेला जाएगा। यह फैसला आईसीसी बोर्ड की मीटिंग में लिया गया। आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड में सरकार की दखलअंदाजी को देखते हुए बोर्ड को सस्पेंड किया था। आईसीसी के मुताबिक, श्रीलंका बोर्ड में चल रही दिक्कत की वजह से बोर्ड को सस्पेंड करने का फैसला अब भी बरकरार रखा है। हालांकि सस्पेंशन का असर श्रीलंका में क्रिकेट पर नहीं पड़ेगा। श्रीलंका की टीम द्विपक्षीय सीरीज और आईसीसी इवेंट में हिस्सा लेती रहेगी।

2 महीने बाद होना है अंडर-19 वर्ल्ड कप

2024 का मेंस अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप 13 जनवरी से 4 फरवरी तक होना तय किया गया है। इसमें भारत, श्रीलंका और नए मेजबान साउथ अफ्रीका समेत 16 देश हिस्सा लेंगे। साउथ अफ्रीका में अंडर-19 वर्ल्ड कप का 15वां संस्करण होगा। टूर्नामेंट में पहले श्रीलंका में होना था, लेकिन आईसीसी के फैसले के बाद अब इसे साउथ अफ्रीका में आयोजित किया जाएगा। अब तक टूर्नामेंट 14 बार खेला गया, भारत मौजूदा चैंपियन है। टीम के नाम सबसे ज्यादा 5 खिताब है।

श्रीलंका बोर्ड में चल रही उथल-पुथल

वर्ल्ड कप में श्रीलंका के खराब प्रदर्शन के बाद वहां के खेल मंत्री रोशन रणसिंघे ने 6 नवंबर को श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को बर्खास्त कर दिया था। साथ ही एक अंतरिम बोर्ड का गठन भी किया था। अर्जुन रणतुंगा को नए अंतरिम बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। खेल मंत्री के आदेश के बाद श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड को कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। बोर्ड की अपील पर अदालत ने देश के क्रिकेट बोर्ड को बर्खास्त करने के खेल मंत्री के फैसले को रद्द कर दिया। यानी रणतुंगा अंतरिम अध्यक्ष नहीं बन सके।

श्रीलंका ने वर्ल्ड कप में 9 में से 2 मैच जीते

श्रीलंका का वर्ल्ड कप 2023 में बेहद खराब प्रदर्शन रहा था। टीम पॉइंट्स टेबल में 9वें स्थान पर रही। श्रीलंका ने 9 मैच खेलते हुए सिर्फ 2 में जीत दर्ज की थी। उसे 7 मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। वनडे वर्ल्ड कप 2023 आईसीसी के इतिहास का सबसे सफल आयोजन बन गया है। इस बार सभी मैचों को देखने के लिए स्टेडियम पहुंचने वाले दर्शकों की कुल संख्या 12 लाख 50 हजार से ज्यादा रही। इससे वर्ल्ड कप में दर्शकों का 8 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

सुजॉय घोष की फिल्म में नजर आएंगे शाहरुख खान और सुहाना

नेटफ्लिक्स की फिल्म द आर्चीज से एक्टिंग डेब्यू करने के बाद सुहाना खान जल्द ही पिता शाहरुख खान के साथ एक फिल्म में नजर आने वाली हैं। फिल्म का नाम किंग होने वाला है, जो एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म होगी। फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम लगभग पूरा हो चुका है। इस फिल्म की शूटिंग जनवरी से शुरू होगी, जिसे सुजॉय घोष डायरेक्ट करने वाले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, एक्शन से भरपूर फिल्म किंग में शाहरुख खान लीड रोल में होने वाले हैं और सुहाना खान भी फिल्म में अहम किरदार निभाएंगी। फिल्म की शूटिंग जनवरी 2024 में शुरू होगी। इसे शाहरुख खान की रेड चिल्लीज एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन कंपनी और सिद्धार्थ आनंद की प्रोडक्शन कंपनी मारफ्लिक्स एंटरटेनमेंट मिलकर प्रोड्यूस कर रही है। सिद्धार्थ आनंद इससे पहले शाहरुख खान के साथ फिल्म पठान में काम कर चुके हैं। फिल्म पठान, सिद्धार्थ ने ही डायरेक्ट की थी, लेकिन अब वो शाहरुख की फिल्म प्रोड्यूस करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, ये फिल्म भरपूर एक्शन के साथ-साथ एक इमोशनल स्टोरी भी होने वाली है, जिसकी स्क्रिप्टिंग पर फिलहाल काम चल रहा है। रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से लिखा गया है, फिल्म किंग का फ्लेवर शाहरुख खान की पठान और जवान से एकदम अलग होगा। इसका कोर प्लॉट इमोशनल है। फिल्म में कई सारे ट्विस्ट एंड टर्न होने वाले हैं, यही कारण है कि सुजॉय घोष ने फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी ली है। बताते चलें कि सुजॉय घोष सुपरहिट फिल्म कहानी, कहानी 2, बदला जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में नेटफ्लिक्स पर आई थ्रिलर फिल्म जाने जा भी सुजॉय ने ही डायरेक्ट की थी, जिसमें करीना कपूर, विजय वर्मा और जयदीप अहलावत लीड रोल में थे। सुहाना खान ने नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई फिल्म द आर्चीज से एक्टिंग करियर की शुरुआत की है।

शाहरुख के खर्राटे से परेशान हो गए थे सलमान

शाहरुख खान और सलमान खान को लेकर एक मजेदार किस्सा सामने आया है, जिसमें सलमान ने शाहरुख को बिस्तर से गिरा दिया था। दरअसल बात 1995 की है, जब दोनों एक्टर फिल्म 'करण-अर्जुन' की शूटिंग कर रहे थे। यह कहानी शाहरुख खान के खर्राटे लेने की आदत से जुड़ी हुई है। एक पुराने इंटरव्यू में सलमान ने कहा- जब हम लोग करण-अर्जुन की शूटिंग कर रहे थे तो वहां पर कुछ गेस्ट आए थे। जो मेरे रुम में रुके थे तो हम सभी को एक रुम शेयर करना पड़ा था। उस वक्त वहां सोहेल खान भी थे। हम सभी लेटे ही थे और शाहरुख को जल्दी नींद आ गई और वो जोर-जोर से खर्राटे लेने लगे थे। सलमान उनके खर्राटों से परेशान हो रहे थे। इस पर शाहरुख ने कहा कि उन्हें साइनस हो गया था, वैसे आमतौर पर वो खर्राटे नहीं लेते हैं।

पहली भारतीय महिला बनी एकता कपूर जिन्हें मिला इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड

51वें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स की घोषणा हो चुकी है। प्रोड्यूसर-डायरेक्टर एकता कपूर को डायरेक्टरेट अवॉर्ड मिला है। ये पहला मौका है जब किसी भारतीय को इस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। कॉमेडियन वीर दास ने कॉमेडी के लिए इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड जीता। वहीं शेफाली शाह को सीरीज दिल्ली क्राइम 2 के लिए बेस्ट एक्ट्रेस की कैटेगरी में नॉमिनेशन मिला था, लेकिन वे ये अवॉर्ड जीत नहीं पाई। उनकी जगह ये अवॉर्ड एक्ट्रेस कार्ला सूजा को मैक्सिकन सीरीज 'ला काइडा' के लिए मिला है। इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स 2023 न्यूयॉर्क में हुआ, जिसमें 14 कैटेगरी में 20 देशों के कुल 56 लोगों को नॉमिनेशन मिला था। इस अवॉर्ड को टेलीविजन का ऑस्कर अवॉर्ड कहा जाता है।

मेट्रो बाजार

अगले साल जनवरी में हो सकती है टेस्ला इंक की भारत में एंट्री

मुंबई, एजेंसी

इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने वाली एलन मस्क की कंपनी टेस्ला इंक की अगले साल भारत में एंट्री होने वाली है। भारत के साथ टेस्ला की डील अंतिम चरण में है। ब्लूमबर्ग ने अपनी एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी है। बीते दिनों एलन मस्क ने भी कहा था कि वो अगले साल भारत आने का प्लान कर रहे हैं। अमेरिका की इस ईवी कंपनी को भारत अगले साल से देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को आयात करने और दो साल की अवधि के भीतर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने की अनुमति देगा। जनवरी में वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट में इसकी आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है। गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में टेस्ला अपना इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि टेस्ला भारत में नए प्लांट के लिए शुरुआत में लगभग 2 बिलियन डॉलर, यानी करीब 16,000 करोड़ का निवेश करने की योजना बना रही है। उनकी भारत से 15 बिलियन डॉलर, यानी करीब 1.2 लाख करोड़ तक के ऑटो पार्ट्स खरीदने की भी योजना है। कंपनी लागत कम करने के लिए भारत में कुछ बैटरियां बनाने पर विचार कर रही है। पीयूष गोयल ने टेस्ला की मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी विजिट की थी

हाल ही में कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने कैलिफोर्निया में टेस्ला की मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी विजिट की थी। हालांकि, इस दौरान कंपनी के मालिक एलन मस्क मौजूद नहीं थे। उन्होंने पोस्ट में लिखा आपका टेस्ला में आना सम्मान की बात है।

फॉक्सवैगन टाइगुन व वर्टस का साउंड एडिशन लॉन्च

नईदिल्ली, एजेंसी

फॉक्सवैगन इंडिया ने आज भारत में अपनी पॉपुलर स्कू टाइगुन और सेडान सेगमेंट में वर्टस का साउंड एडिशन लॉन्च किया है। यह देश में पहली बार है जब किसी कंपनी ने एक कार का म्यूजिक स्पेसिफिक स्पेशल एडिशन लॉन्च किया है। यह स्पेशल एडिशन इन दोनों कारों के टॉपलाइन वैरिएंट पर बेस्ड है। कंपनी ने हाल ही में कारों के साउंड एडिशन का टीजर जारी किया था। दोनों कारें ग्लोबल एनकैप में 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग

हासिल कर चुकी हैं और इनमें 40 से ज्यादा सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं। फॉक्सवैगन टाइगुन साउंड एडिशन की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 16.33 लाख रुपए है, जो रेगुलर मॉडल के मैन्युअल ट्रांसमिशन से 49 हजार रुपए महंगा है। वहीं, इसका ऑटोमेटिक वैरिएंट रेगुलर मॉडल से 55 हजार रुपए महंगा है। इसका मुकाबला हुंडई क्रेटा, किआ सेल्टोस, मारुति ग्रैंड विटारा, टोयोटा हाइराइडर, स्कोडा कुशाक, सिट्रोएन सी3 एयरक्रॉस, होंडा एलिवेट और एमजी एस्टर से है।

पुलिस चेकिंग

पुराने शहर भोपाल टॉकीज चौराहे पर पुलिस चेकिंग के दौरान सड़कों पर लगता है रोज जाम। -फोटो : भूपेंद्र सिंह

मंगलसूत्र और कान के टॉप्स लूटकर भागने वाले बदमाश गिरफ्तार

महिला से लूटपाट करने वाले बदमाश गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। कोहेफिजा इलाके में महिला के गले से मंगलसूत्र और कान के टाप्स लूटकर भागने वाले बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से लूटा गया मंगलसूत्र और वारदात में प्रयुक्त बाइक समेत करीब एक लाख चालीस हजार का माल बरामद किया गया है। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ चोरी और मारपीट समेत अन्य अपराध पहले से दर्ज हैं।

फाइल फोटो

थाना प्रभारी बिजेंद्र मर्सकोले ने बताया कि दीपू कुशवाह पत्नी छोटू कुशवाह (27) मूलत- खुरई जिला सागर की रहने वाली है। फिलहाल वह एयरपोर्ट रोड स्थित पंचवटी फेस-2 में रहती है और बंगलों में साफ-सफाई का काम करती है। बीती 13 नवंबर की सुबह करीब सात बजे फ्रेश होने के लिए निकली थी, तभी एक लड़का उसके पास पहुंचा और मेन रोड पर जाने का पता पूछा। महिला उसे रास्ता बताने लगी, तभी बदमाश ने उसके गले से सोने का मंगलसूत्र, कान के टॉप्स और नाक की नथ छीन ली। इस छीनाझपटी में महिला के गले, कान और नाक पर गंभीर चोट आई थी। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ लूटपाट का मामला दर्ज कर इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले और मुखबिरों को सक्रिय किया। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने संदेही नितिन गिरी (24) निवासी सूरज नगर कोहेफिजा को हिरासत में लिया तो उसने लूटपाट की वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। आरोपी के पास से लूटा गया सोने का मंगलसूत्र और वारदात में प्रयुक्त बाइक जब्त की गई है। बाकी जेवरात आटीर्फीशियल थे, जो घटनास्थल पर ही मिल गए थे। पुलिस आरोपी से अन्य वारदातों को लेकर पूछताछ कर रही है।

सूने मकान से हजारों की चोरी

भोपाल। रातीबड़ में रहने वाली एक महिला के सूने मकान का ताला तोड़कर चोर जेवरात और नकदी समेत लाखों रुपये कीमत का सामान चोरी कर ले गए। वारदात के समय पूरा परिवार एक शादी समारोह में शामिल होने गया था। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक दुर्गा राय पत्नी दीपांकर राय (30) विशाल नगर फेस-2 रातीबड़ में रहती हैं और गृहणी हैं। रविवार को वह अपने मकान पर ताला लगाकर परिवार के साथ ग्राम बड़झिरी में रहने वाले भाई की शादी में शामिल होने गई थी।

सोमवार दोपहर को पड़ोस में रहने वाली महिला ने उन्हें फोन करके बताया कि आपके घर का दरवाजा खुला हुआ है। उसके बाद दुर्गा घर पहुंची तो ताला टूटा मिला और अंदर पूरा सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी का लॉकर भी खुला हुआ था। चेक करने पर अलमारी के लाकर में रखा एक सोने का नेकलेस, एक सोने की अगूंठी, दो जोड़ी चांदी की पायल, 30 हजार रुपए नकदी समेत अन्य सामान गायब था। पुलिस ने दुर्गा की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

खाना लेने पहुंचे युवक पर डंडे से हमला

भोपाल। आनंद नगर में खाना पैक करवा रहे एक युवक पर अज्ञात लड़के ने डंडे से हमला कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पिपलानी पुलिस ने बताया कि

विजय तिवारी (28) एसओएस रोड, बालाजी नगर खजूरीकला में रहता है और प्रायवेट काम करता है। उसका दोस्त जीतेंद्र साहू भी प्रायवेट काम करता है। सोमवार रात करीब साढ़े आठ बजे दोनों दोस्त आनंद नगर स्थित एक होटल पर खाना लेने पहुंचे थे। खाना पैक हो रहा था, तभी एक अज्ञात लड़क पहुंचा और जीतेंद्र के साथ गाली-गलौज करने लगा। जीतेंद्र ने उसे गाली देने से मना किया तो लड़के ने उसके हाथ पर डंडा मार दिया, जिससे गंभीर चोट आई। उसके बाद विजय ने दोस्त को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया और थाने जाकर मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

तीन दिन बाद पीएम कराने के बाद परिजनों को सौंपा शव

भोपाल, दोपहर मेट्रो

फाइल फोटो

अवधपुरी थाना क्षेत्र स्थित श्रीधाम कॉलोनी में रविवार शाम निजी अस्पताल द्वारा स्टाफ नर्स ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मूलत- तमिलनाडू की रहने वाली महिला के परिजन तमिलनाडू से भोपाल नहीं आ सके थे। परिजन के भोपाल पहुंचने के बाद आज पुलिस ने शव का पीएम कराने के बाद परिजन को सौंप दिया। एएसआई साहेबलाल कुमरे ने बताया कि शीला पति टी कार्तिक (31) श्रीधाम कॉलोनी, अवधपुरी में रहती थी। वे निजी अस्पताल में नर्स थी, जबकि पति फायनेंस कंपनी में नौकरी करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि रविवार शाम वे दफ्तर से जल्दी आ गए थे। पत्नी से बातचीत करते समय पिता का कॉल आया कि गाड़ी पुलिस ने पकड़ ली है। कार्तिक चालान के पैसे लेकर पिता के पास पहुंचे और वहां से लौटकर घर आ गए। इस दौरान पता चला कि ऊपर दादी वाले कमरे का दरवाजा अंदर से बंद है। उन्होंने आवाज दी, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। दरवाजे के नीचे से देखने पर पता चला कि बेटा फर्श पर खेल रहा है और वह ऊपर की तरफ देख रहा है। टी कार्तिक पीछे वाली खिड़की पर पहुंची तो उन्होंने शीला को फांसी के फंदे पर लटका देखा। किसी तरह दरवाजा तोड़ने के बाद टी कार्तिक पत्नी को लेकर अस्पताल पहुंचे थे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही शीला को मृत घोषित कर दिया। कार्तिक के पिता भेल से रिटायर्ड हैं।

कहती थी समय नहीं देते

पुलिस को आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके है। दरअसल, शीला के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने बताया कि कार्तिक और शीला के बीच विवाद नहीं होता था, लेकिन शीला को हमेशा पति से एक ही परेशानी होती?थी और वह कहती?थी कि तुम मुझे अब टाइम नहीं देते हो। कार्तिक ने पुलिस को बताया कि फायनेंस कंपनी में नौकरी करने के बाद वे व्यस्त रहते थे, लेकिन फिर समय पर घर पहुंचकर पत्नी के साथ समय बिताते थे।

महिला को बंधक बनाकर छेड़छाड़

भोपाल। बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित एक झुग्गी बस्ती में महिला को बंधक बनाकर उससे छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। घटना कल दोपहर की बताई जा रही है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ बंधक बनाने और छेड़छाड़ की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार 23 साल की युवती इलाके में रहती है और शादीशुदा है। उसके पड़ोस में सुजीत नामक युवक रहता है। पीड़िता ने बताया कि सुजीत के घर का दरवाजा किसी ने बाहर से बंद कर दिया था। सुजीत ने दरवाजा खुलवाने के लिए आवाज दी। वह उसके घर का दरवाजा खोलने पहुंची। दरवाजा खोलते ही सुजीत ने उसका हाथ पकड़कर उसे अंदर खीच लिया और अंदर वाले कमरे में ले जाकर उसे बंधक बना दिया। इस दौरान आरोपी ने उससे बुरी नियत से छेड़छाड़ भी की। पीड़िता ने शोर मचाया तो पति पहुंचा और महिला को घर से बाहर निकाला। इसके बाद पति दंपती ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

पत्रकार ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो

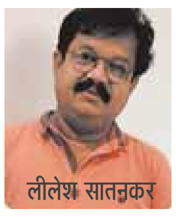

लीलेश सातनकर

अवधपुरी थाना क्षेत्र में रहने वाले सांध्यकालीन अखबार के मुख्य रिपोर्टर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनका शव उनके छोटे भाई ने फांसी के फंदे पर लटका देख पुलिस को सूचना दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एफएसएल की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कराने के बाद शव पीएम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक पूछताछ में यह बात सामने आई कि उनका पत्नी से अलगाव हो चुका था। उनकी पत्नी और बच्चें उनसे अलग रह रहे थे।

पुलिस के अनुसार लीलेश सातनकर (45) अवधपुरी इलाके में रहते थे और एक सांध्यकालीन अखबार में सिटी चीफ बतौर अपनी सेवाएं दे रहे थे। वे यहां अपने छोटे भाई के साथ रह रहे थे। बीती रात उन्होंने खाना खाया और अपने कमरे में सो रहे थे। सुबह उनके भाई की नींद खुली तो उन्होंने बड़े भाई लीलेश को फांसी के फंदे पर लटका देखा था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी थी। पारिवारिक कलह से दुखी ?परिजन ने बताया कि उनकी पत्नी से उनका तलाक का केस जब से लगा था, तभी से वह परेशान रहने लगे थे। वे अक्सर दफ्तर आते थे तो उनके चेहरे पर परेशानी साफ तौर पर नजर आती थी। अनुमान है कि उन्होंने पारिवारिक कलह और तलाक से दुखी होकर यह कदम उठाया है। पुलिस ने उनके कमरे की तलाशी ली थी, लेकिन सुसाइड नोट के बारे में पुलिस कह नहीं सकी। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। परिजन ने बताया कि लीलेश बौद्ध धर्म के अनुयायी थे। वे बौद्ध धर्म के आयोजनों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते थे।

मेट्रो एंकर **हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित बारह नंबर पुलिस चौकी का मामला...**

बाइक की टक्कर से एक्टिवा सवार युवक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित बारह नंबर पुलिस चौकी के पास तेज रफ्तार बाइक ने एक्टिवा सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद परिजन घायल को अस्पताल लेकर पहुंचे थे। वहां इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस ने टक्कर मारने वाले बाइक चालक पर पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार ज्योति सिंह पत्नी आशीष सिंह (21) फ्लैट नंबर 402 शिवशक्ति अपार्टमेंट ई /7 अरेरा कालोनी में रहती हैं और पति आशीष सिंह के साथ 12 नंबर पुलिस चौकी के सामने अजीत इलेक्ट्रानिक्स नाम से दुकान का संचालन करती हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि गत 19 नवंबर की रात करीब साढ़े 9 बजे उनका देवर आकाश सिंह (21) एक्टिवा से भोपाल केयर अस्पताल की तरफ से दुकान की आ रहा था। इस दौरान ज्योति सिंह दुकान के बाहर खडी थी। 12 नंबर पुलिस चौकी के सामने पहुंचते ही देवर की एक्टिवा में सामने से आ रही बाइक के चालक ने तेजी और लापरवाही से बाइक चलाते हुए टक्कर मार दी। इस हादसे में देवर आकाश को सिर में गंभीर चोट आई?थी। ज्योति पति के साथ मिलकर आशीष को निजी अस्पताल लेकर पहुंची। वहां इलाज के बाद एम्स में भर्ती कराया गया?था। एम्स में इलाज के दौरान कल रात आकाश की इलाज के दौरान मौत हो गई।

सिग्नल पर बाइक सवार छात्र को कार ने मारी टक्कर

भोपाल। एमपी नगर थाना क्षेत्र स्थित जिला न्यायालय के सामने तेज रफ्तार कार ने सिग्नल पर बाइक सवार छात्र को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार छात्र घायल हो गया, जबकि बाइक क्षतिग्रस्त हुई है। टक्कर मारने के बाद कार का चालक वल्लभ भवन की तरफ अपनी कार लेकर भाग निकला। पुलिस ने छात्र की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस नंबर के आधार पर कार और ड्राइवर की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार राहुल नागले पिता कृष्णा नागले (18) भीम नगर, अरेरा हिल्स में रहता है और आईटीआई कालेज से डीएमसी. की पढ़ाई कर रहा है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि कल अपने दोस्त आशीष उईके के साथ अपनी बाइक पेशन प्रो से कालेज गया था। कॉलेज से दोनों दोपहर तीन बजे के आसपास घर भीम नगर लौट रहे थे। जिला न्यायालय के सामने सिगनल पर पहुंचते ही एमपी नगर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार ने राहुल की बाइक पर साइड से जोरदार टक्कर मारी थी। टक्कर लगने से राहुल और आशीष बाइक समेत सड़क पर गिर गए?थे। इस हादसे में राहुल को दाएं पैर के घुटने मे चोट लगी है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022